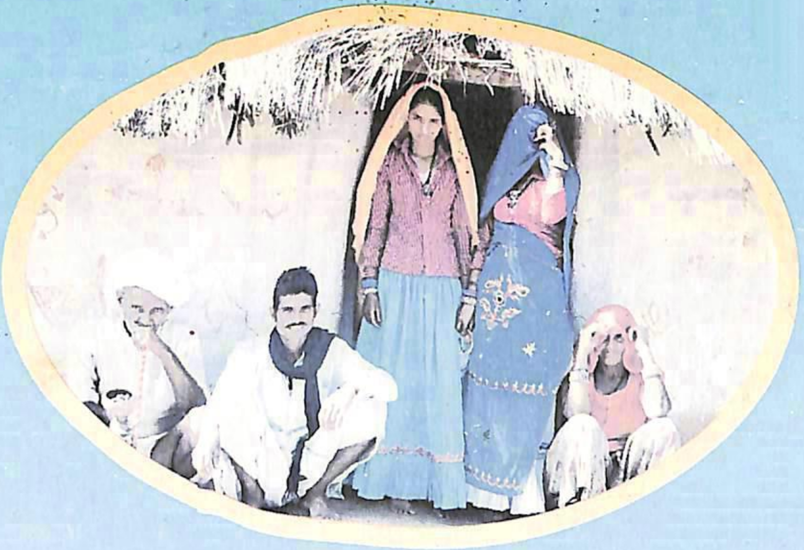

समाज के सत्कर्म

तरुण भारत संघ

वार्षिक प्रतिवेदन

1997-98

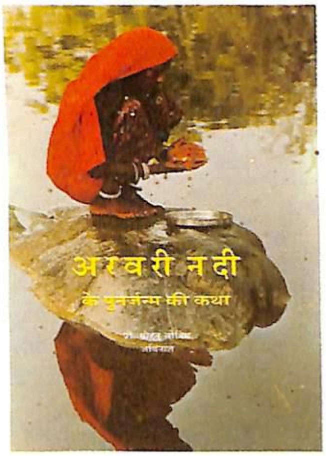

अरवरी नदी का पुनर्जन्म

अरवरी नदी का जल ग्रहण क्षेत्र 503 वर्ग किमी है। यह नदी 200 वर्ष पहले साल भर सजल रहती थी। इसके जल ग्रहण में पहाड़ नंगे हो गये तो यह धीरे-धीरे सूखने लगी। 12 वर्ष पहले इस क्षेत्र में लोगों ने बाँध, जोहड़ बनाने, जंगल बचाने का कार्य आरम्भ किया। 350 बांध/जोहड़ इसके ऊपरी जल ग्रहण क्षेत्र में बने। परिणामस्वरूप 1995 में पहली बार पुन: वर्षभर बहने लगी।

मूल्य 21 रु. मात्र

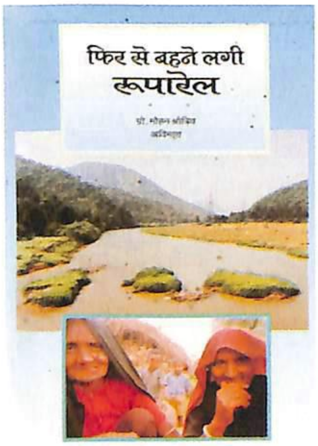

फिर से बहने लगी रूपारेल

यह नदी 30 वर्ष पहले तक वर्ष भर बहती थी। लेकिन 15 वर्ष पूर्व में बहता जल रुक गया। 13 वर्ष पूर्व रहकामाला-दुहारमाला में जोहड़ में लोगों ने अपने पशुओं को पीने के पानी की व्यवस्था के लिये जोहड़ बनाए। खेती हेतु बांध व मेड़बन्दी बनी है। जो क्षेत्र 15 वर्ष पूर्व नंगे थे अब हरे-भरे हो गये हैं। कुओं में पर्याप्त जल हो गया है। यह नदी 1997 में फिर से वर्ष भर बहने लगी है।

मुल्य 21 रु. मात्र

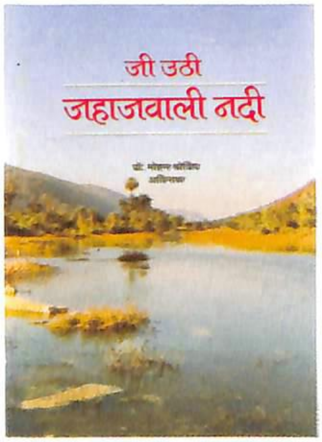

जी उठी जहाजवाली नदी

सरिस्का के कोर क्षेत्र जहाज नामक जंगल से आरंभ होने वाली यह नदी पहले सूखी थी। 1996 से यह सजल होकर फिर से बहने लगी है। इसका जल ग्रहण क्षेत्र कुल 95 वर्ग किमी है। इसको जीवित रखने में देवरी गांव का सबसे अधिक योगदान है। इस नदी पर सौ से अधिक छोटे-बड़े बांध व जोहड़ बन चुके हैं।

मूल्य 21 रु. मात्र

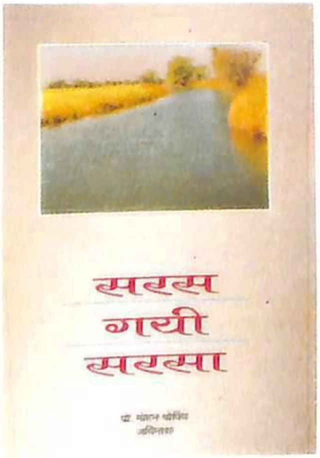

सरस गई सरसा

अलवर के नेहडा क्षेत्र में इसके ऊपरी हिस्से को बान्डी नदी तथा अजबगढ़ से नीचे को सरसा कहते हैं। अजबगढ से नीचे तो इसमें 1984 तक नदी में कहीं-कहीं जून में भी पानी मिलता था। इसीलिए इसका नाम सरसा है। लेकिन 1995 तक यह सूखी रही। अब इस पर दौ-दौ से ज्यादा जोहड़/बांध बन गये हैं। ये कैसे बने। अब यह पुन: कैसे वर्ष भर सजल रहने लगी ? इसकी यह एक सरस कहानी है।

मूल्य 21 रु. मात्र

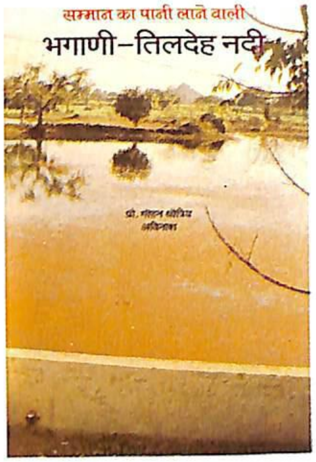

भगाणी–तिलदेह नदी

भगाणी नदी को ताम्बे की खान ने सुखा दिया। खनन के ब्लास्ट से ऊपर बहने वाला क्षेत्र भू-जल स्तर में जाकर मिल गया। ऊपर बहनी बन्द हो गई। कुछ दिन बाद खनन बन्द हो गया। इसके ऊपरी क्षेत्र में विकासों तभासं तथा लोगो ने मिलकर जोहड़/बांध बनाये। इनके पुर्न:भरण से धरती मां का पेट भर गया। अब यह फिर बहने लगी। लोग संघर्ष में जीते थे। बस 1997 से यह वर्ष भर फिर सजल होकर बहने लगी।

मूल्य 21 रु. मात्र

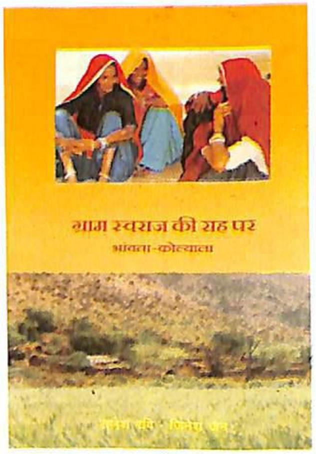

ग्राम स्वराज की राह पर

इस पुस्तक में भांवता-कोल्याला गाँव ने मिलकर अपने गांव को कैसे बदला। यहा पर ग्राम स्वराज्य का स्वप्न कैसे साकार हुआ, इसका सटीक अध्ययन है।

मूल्य 50 रु. मात्र

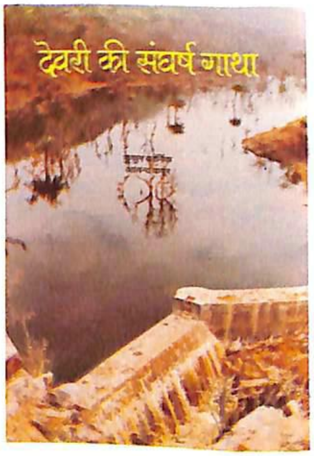

देवरी की संघर्ष गाथा

सरिस्का के कोर क्षेत्र में बसा देवरी गांव, जिसे जंगल के बाहर खदेड़ने की सरकारी तैयारी थी। इस गांव ने संगठित होकर सरकार को ही अपने गांव से खदेड़ दिया। अब यह अपना जंगल स्वयं संगठित होकर बचा रहे हैं। बाद में सरकार ने इनकी सब शर्तें स्वीकार कर लीं। इनसे मित्रता करके गांव पहुंचे। सरकार ने पुन: धोखा दिया तो गांव ने संगठित होकर अपने गांव का कार्य फिर स्वयं करना प्रारंभ कर दिया।

मूल्य 21 रु. मात्र

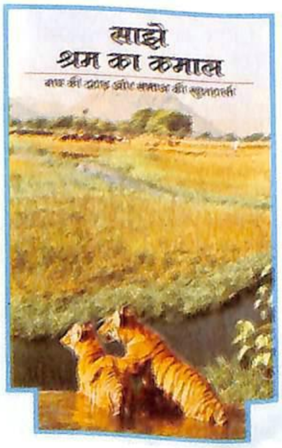

साझे श्रम का कमाल

सरिस्का क्षेत्र में बसे ग्रामीणों के संघर्ष तथा साझे श्रम से कैसे जल-जंगल बचाकर ये गांव समृद्ध हुए। लोगों में वन्य जीवों से प्रेम किस प्रकार बढ़ा। इसका अच्छा वर्णन किया गया है।

मूल्य 35 रु. मात्र

तरुण भारत संघ 1997-98

तरुण भारत संघ (तभासं) को 1997-98 में अपने कार्यों का प्रभाव प्रत्यक्ष देखने को मिला। इस वर्ष में संस्था ने अपने सभी कार्यों का मूल्यांकन कराया। कार्यों को गहराई से देखा व समझा। पता चला कि संस्था ने 6500 वर्ग कि.मी. क्षेत्र में प्राकृतिक संसाधन, संरक्षण व संवर्धन कार्य किये हैं। मुख्यत: जल संरक्षण हेतु जल संरक्षण संरचनाओं का निर्माण किया है। तभासं उक्त क्षेत्र में ही पिछले 13 वर्षों से जल संरक्षण का कार्य कर रहा है। जब इस क्षेत्र में यह कार्य शुरू हुआ था, तब तो जल संरक्षण के कार्यों का पूरा अनुभव नहीं था और अभी भी नहीं है। आगे चलकर इस पूरे कार्य का क्या प्रभाव होगा इस पर किसी ने कोई माकूल शोध नहीं किया है। हाँ आई.आई.पी.ए. दिल्ली व आई.आई.डी. की तरफ से श्री आशीष कोठारी के नेतृत्व में एक अध्ययन कार्य चल रहा है।

अभी तक जो मोटेतौर पर जल संरक्षण का प्रभाव देखने को मिला है, वह है, पाँच सूखी छोटी नदियों का वर्ष भर सजल रहना। फसल चक्र का बदलना। गांव से शहर की तरफ पलायन कम होना। गांव के रहन-सहन में स्वच्छता व सफाई का दर्शन। गांव के दुःख-सुख की बात करने हेतु हर अमावस्या को गांव वालों की आपस में चर्चाएं व बैठकों का दौर। सामलाती कार्यों में महिलाओं की अत्यधिक भागीदारी। कार्य क्षेत्र के सरकारी रिकार्ड में पहले से दर्ज अतिअल्प जल वाले क्षेत्र "डार्क ज़ोन" अब पर्याप्त जल "व्हाइट ज़ोन" वाले क्षेत्र में बदल गये हैं। गांव के कुओं पर डीजल इंजन तथा ट्रेक्टर, टी.वी. का प्रवेश भी गांव में हो गया है फिर भी गांव वालों में स्वावलम्बन की भावना तथा एक दूसरे के दुःख में भागीदार रहने का भाव, लड़कियों की पढ़ाई पर जोर, श्रम के प्रति निष्ठा व स्वस्थ रहने का भाव दिखने लगा है।

गांव में कई प्रकार के रोजगार के अवसर सृजित हो गये हैं। जमीन में नमी के कारण कई जगह पर अब रेशे 'सण' की फसल भी इस क्षेत्र में दिखने लगी है। सब्जी व गन्ने की फसल के भी इस क्षेत्र में जगह-जगह दर्शन होने लगे हैं। पहले बाजार से गांव में खाने के लिए अनाज, सब्जियां जैसी जरूरी चीजें भी अधिक आती थीं। अब यह चलन भी बदल गया है। आज-कल गांव की सब्जियां शहर में बिकने के लिए जाती हैं। गांव का काम स्वयं गांववासी अपने साधनों से करें ऐसा भाव भी अब जगह-जगह दिखाई देता है। इस वर्ष 7 गांवों में ग्राम कोष निर्माण हुआ है। इस ग्राम कोष से ही गांव के जोहड़/बांध आदि की मरम्मत करने का ग्रामवासी सर्वसम्मति से प्रस्ताव लेकर आने लगे हैं। पानी का प्रत्यक्ष लाभ देखकर छोटे कार्य तो अब स्वयं ग्रामवासी कर लेते हैं। अब राजस्थान सरकार, भारत सरकार तथा यू.एन.डी.पी. ने भी संस्था के साथ मिलकर कार्य करने की पहल की है।

शराब जैसे व्यसन भी शरीर तथा घर को खाली करता था। अब यहाँ कई गांवों में शराब तो बिल्कुल बन्द हो गई है। व्यसन मुक्ति तथा परिवार को छोटे रखने की महिलाओं की आकांक्षा बढ़ना, आपसी विवादों को गांव में ही सुलझाने की समझ का बढ़ना बहुत अच्छे संकेतक हैं, अब ये संकेतक स्पष्ट दिखाई देते हैं।

इस क्षेत्र की महिलाएं जो पहले पानी व ईंधन की व्यवस्था में ही दिन भर खटती रहती थीं उन्हें अब इन कार्यों से मुक्ति मिल गयी है। इसलिए ये अपने बचे समय में अब गांव के उत्थान के विषय में सोचती हैं तथा परिवार व समाज की भलाई के लिए आगे आकर कार्य करती हैं। देखने में यह आ रहा है कि अब बहुत सारे कार्यों का निर्णय भी महिलाएं स्वयं करने लगी हैं। इस समाज की महिलाएं अपने परिवार, गांव के साझे निर्णय लेने लगी है। अपने *निर्णयों के अनुसार स्वतन्त्रता* अनुभव करती हैं। यह समाज सांस्कृतिक तौर पर अब समृद्ध होता दिखाई देता है। इसलिए अपने कार्य क्षेत्र में महिलाओं की उभरती स्थिति को देखते हुए ही तरुण भारत संघ ने इस वर्ष 1997-98 को समृद्धि की राह पर चलने वाला वर्ष कहा है।

डीजल की बचत का एक नया आयाम भी समझ में आया है। पहले से अधिक सिंचाई के बावजूद कुओं का जल स्तर ऊपर आने से डीजल की बचत की जानकारी सुखद है। पहले एक बीघा सिंचाई करने में 10 दिन तक लग जाते थे, क्योंकि कुओं में पर्याप्त जल नहीं था। अधिक गहराई से जल उठाने में भी डीजल चार गुणा अधिक खर्च होता है। पहले खर्च अधिक, बचत कम होती थी। अब खर्च कम बचत अधिक होती है। ये तथ्य हमें समृद्धि की राह दिखाते हैं।

तभासं को इस वर्ष प्रशासन का अच्छा सहयोग रहा है। सरकारी अधिकारियों तथा कर्मचारियों का रुझान भी प्रतिकूल नहीं रहा है। देश-दुनिया की कई संस्थाओं एवं व्यक्तियों से अच्छी मदद तथा मार्गदर्शन मिला है। खासकर डॉ. जी.डी. अग्रवाल जी ने इस वर्ष हमें अधिक समय क्षमता-शक्ति तथा मार्गदर्शन दिया। हम सब इनके ऋणी हैं। भगवान से प्रार्थना करते हैं, ये शतायु हो, हमें इनका लम्बे समय तक मार्गदर्शन मिलता रहे।

तरुण भारत संघ के कार्यों का विवरण 1997-98

क्र.स.	कार्य का नाम	कार्य विवरण	स्थान/क्षेत्र	सहयोगी संस्था
1.	जल संरक्षण संरचना निर्माण	554 जोहड़/बांध	अलवर, जयपुर, दौसा, टोंक, उदयपुर, करौली, सवाईमाधोपुर	इक्को, आई. सी. सीडा, जी.टी. जैड. ऑक्सफेम
2.	स्वास्थ्य सेवा परम्परागत चिकित्सा प्रशिक्षण	32 गांव	थानागाजी, राजगढ़, अलवर, दौसा, करौली, सवाईमाधोपुर	इक्को
3.	सबको शिक्षा	51 गांव	किशोरी संकुल, थानागाजी	लोक जुम्बिश परिषद

4.	शिशु पालना गृह	14 गांव	राजगढ़, थानागाजी (अलवर)	केन्द्रीय समाज कल्याण बोर्ड
5.	जलागम विकास अजबगढ़	56 गांव	अजबगढ़, थानागाजी क्षेत्र	एस.डी.सी. राजस्थान सरकार
6.	सामलातदेह प्रशिक्षण ''कार्यकर्ता विकास''	20 गांव	11 संस्थाएं, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश	इक्को
7.	वृक्षारोपण	170 गांव	सवाईमाधोपुर, अलवर, राजगढ़, दौसा, करौली	संस्थागत
8.	देशज बीज संरक्षण	130 गांव	अलवर, सवाईमाधोपुर, जयपुर	संस्थागत
9.	संयुक्त वन प्रबन्धन	35 गांव	अलवर, जयपुर, दौसा, सवाईमाधोपुर	संस्थागत
10.	स्वरोजगार, कताई, बुनाई	10 गांव	विराटनगर, थानागाजी	संस्थागत
11.	सैन्द्रिय खाद निर्माण प्रशिक्षण	43 गांव	थानागाजी, राजगढ़, लक्ष्मणगढ़, रैणी	संस्थागत
12.	पर्यावरण चेतना	560 गांव	अलवर, जयपुर, भरतपुर, सवाईमाधोपुर, थानागाजी, राजगढ़, दौसा, करौली	संस्थागत इक्को, सीडा जी.टी.जैड., आई.सी. ऑक्सफेम
13.	महिला चेतना बालश्रम मुक्ति	110 गांव	अलवर, जयपुर, भरतपुर, सवाईमाधोपुर, थानागाजी, राजगढ़, दौसा, करौली	एस.डी.सी. लोक जुम्बिश, इक्को, संस्थागत
14.	अन्न भण्डार कोठी निर्माण	200 परिवारों में प्रति परिवार एक कोठी दी	थानागाजी, राजगढ़	संस्थागत

15.	जन चेतना व जन संगठन, युवा संगठन, कार्यशाला, संगोष्ठी जन-जागृति शिविर, गांव के पंचायत अधिकारियों का प्रशिक्षण व शैक्षणिक भ्रमण	560 गांवों में एक से अधिक बार बैठक शिविर संगोष्ठी हुई	अलवर, जयपुर, भरतपुर, संवाईमाधोपुर, थानागाजी, राजगढ़, दौसा, करौली	इक्को, आई.सी., सीडा, जी.टी.जैड., एस.डी.सी ऑक्सफेम, लोक जुम्बिश, संस्थागत
16.	अभियान शोध, अध्ययन	राजस्थान भू-जल अधिनियम व जल नीति	पूरा राजस्थान क्षेत्र	ऑक्सफेम इण्डिया ट्रस्ट
17.	लोक समिति निर्माण	36 गांव	अजबगढ़ जल ग्रहण क्षेत्र	पावड़ी
18.	प्रकाशन	11 पुस्तकें	तरुण भारत संघ के कार्यों के प्रभाव संबंधित	इक्को

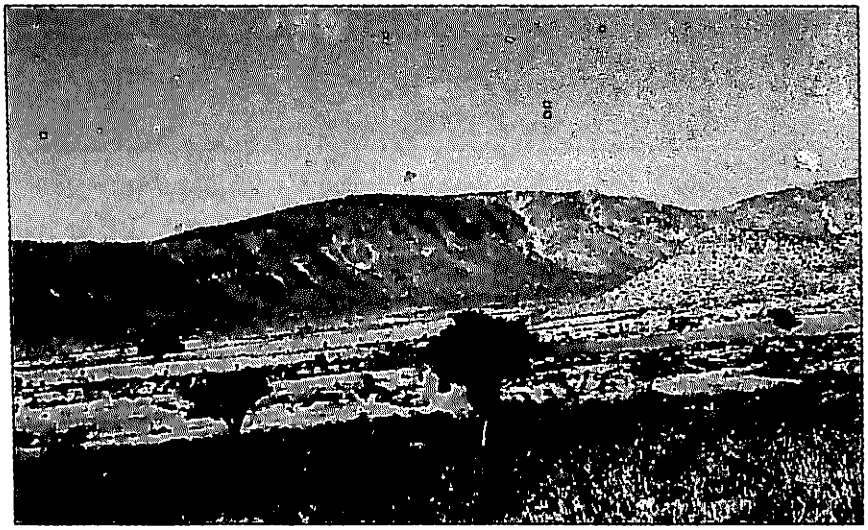

← पूर्व में

बाद में ↓

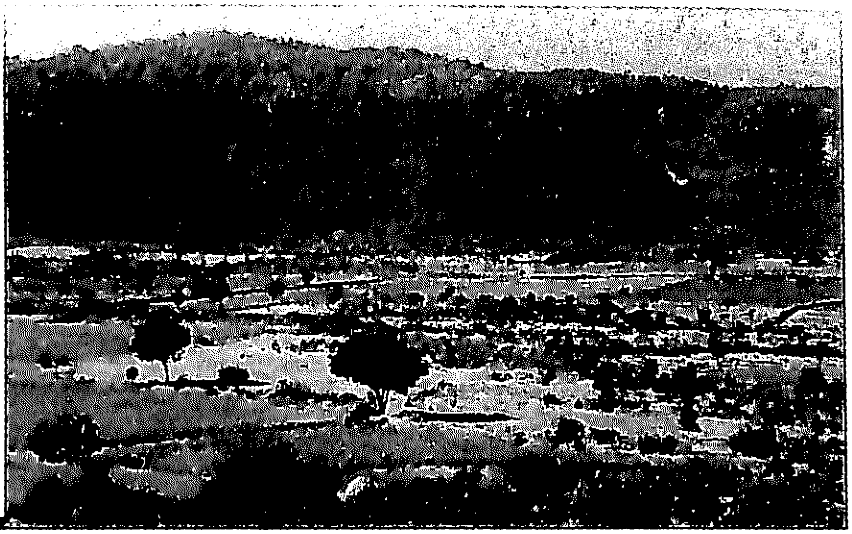

मजदूर महिला चेतना अभियान

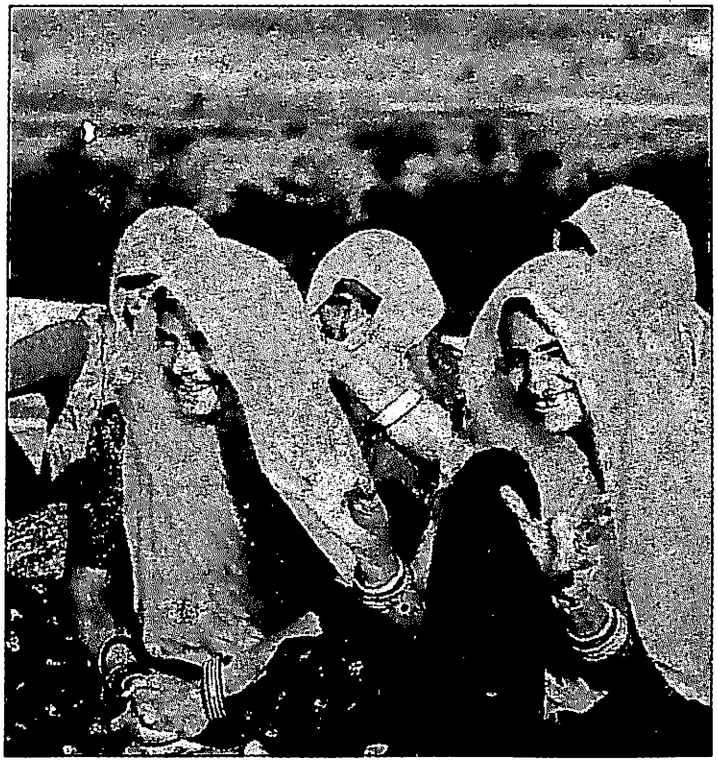

पावड़ी, लोक जुम्बिश, इक्को, ऑक्सफेम, सीडा तथा तभासं के स्वयं के कार्यक्रम के अनुसार विभिन्न प्रकार के चेतना शिविर आयोजित किये गये। पदयात्रा, संगोष्ठी, कार्यशालाएं आयोजित करके प्रकृति संरक्षण की चेतना बढ़ाने का काम किया गया है। मुख्यत: खनन मजदूरों को संगठित करने का काम करौली, सवाईमाधोपुर, दौसा, अलवर, बाड़ी-बसेड़ी-धौलपुर में ये प्रयास शुरू हुए हैं। लेकिन अभी तक मजदूरों को सुरक्षित रूप से काम करने की परिस्थिति भी हम तैयार नहीं कर पाये हैं।

- मजदूरों का दैहिक, मानसिक उत्पीड़न सतत जारी है। खदान माफिया मजदूरों से केवल काम लेना चाहता है। उनको जीवित भी रखना चाहता है। लेकिन मजदूरों को स्वस्थ रूप से जीवित रखने में उनकी रुचि नहीं है। खान मालिक कहते हैं - स्वस्थ मजदूर सिर उठाने लगता है। काम कम हो तो चिन्ता नहीं लेकिन जब एक मजदूर सिर उठाता है, तो वह कई को काम नहीं करने देता। बिना काम के मजदूरी मांगता है। हम ऐसे लोगों को हटाना ही अधिक पसन्द करते हैं और हटा भी देते हैं।

- अब मजदूरों को कम करने की मशीनें आ गई हैं। मशीन भी ऐसी आयी है, जो मजदूरों का काम अधिक कठिन तथा असुरक्षित बना रही है। बस मजदूरों की खपत कम हुई है। बेरोजगारी बढ़ रही है। ऐसे में खेती एकमात्र सहारा है, जो रोजगार के और अधिक अवसर दे सकती है तथा पर्यावरण की दृष्टि से भी अपेक्षाकृत अधिक सुरक्षित है। वैसे तो अब खेती भी दिन प्रतिदिन उद्योग का दर्जा पाती जा रही है, जैसे कल-कारखानों तथा इनकी भट्टियां व्यक्ति को खाती हैं, वैसे ही अब कीटनाशक, रासायनिक खाद आदि किसान विरोधी होते जा रहे हैं। किसान आत्महत्याएं कर रहे हैं।

- तभासं ने स्वावलम्बी खेती को बढ़ाने हेतु जलप्रबन्धन, कम्पोस्ट खाद निर्माण, देशी बीजों को बचाकर

इन्हीं का उपयोग बढ़ाने पर जोर दिया है । इस कार्यक्रम को वैकल्पिक रोजगार के रूप में विकसित किया है ।

- महिला मजदूरों पर अधिक ध्यान दिया है। इनकी चेतना जाग्रत करके, संगठित करने का काम किया है। चूंकि महिला ईंधन, पेयजल का प्रबन्ध करने में ही ८0% समय खर्च करती है, इसलिए जल व ईंधन बढ़ाने का कार्य संघ ने प्रत्यक्ष रूप से किया है । जोहड़ निर्माण के क्षेत्र को सजल किया है तथा जंगल बचाने की जागरूकता बढ़ने से ईंधन की सहज व्यवस्था होने लगी है। महिलाओं के कष्ट कम होने से, समय बचने से अब ये प्रसन्नचित्त दिखाई देती हैं। इस बचे हुए समय में परिवार व समाज की भलाई के विषय में सोचने लगी हैं। निर्णय भी ऐसे ही लेने लगी हैं।

- महिला कार्यकर्ता को प्रशिक्षण देकर महिला कार्यकर्ता निर्माण के हम सतत प्रयास कर रहे थे। लेकिन सफलता इसी वर्ष मिली । हमारे कार्यकर्ता प्रशिक्षण में इस वर्ष 5 महिलाओं ने भाग लिया । सफलतापूर्वक प्रशिक्षण प्राप्त करके ये अच्छी कार्यकर्ता बन गयी हैं। परित्यक्ता मीरा तभासं में रहकर इस योग्य बन गई है कि पति ने मीरा से क्षमा मांगी तथा इसकी सब शर्तों को मान लिया/मीरा की उल्लेखनीय शर्त यह थी, कि "मैं पति के साथ तब रहूंगी जब कम से कम बीस हजार रुपये मेरे नाम से बैंक में जमा करे।" गरीब पति ने बीस हजार रुपये मीरा के नाम से बैंक में जमा करा दिये। अब दोनों पति-पत्नी मार्च, ९८ से प्रेम से साथ रहते हैं। परिवार में आज मीरा के ही निर्णय माने जाते हैं।

- एक पुरुष कार्यकर्ता अपनी पत्नी की पिटाई करता था। तभासं में रहकर धीरे-धीरे महिला तथा पुरुष की समझ बढ़ती गयी। आज यह एक अच्छी महिला कार्यकर्ता बनकर संस्था की सचिव बन गयी है। अब पुरुष कार्यकर्ता इसकी पिटाई भी नहीं करता। बल्कि महिला के नेतृत्व में कार्यकर्ता बनकर काम करता है। अब यह परिवार अपने आप को अधिक सशक्त बना सका। समझदार बनकर अच्छे काम करने लगा है। दोनों सौहार्द्रपूर्वक रहते हैं।

- गुमान कुंवर ने भी तभासं में प्रशिक्षण प्राप्त किया तथा इनके पति ने अपना घर बच्चों को संभालने का काम किया। इनका पति पहले खदानों में काम करता था। अब गुमान अपने घर परिवार को बहुत अच्छी प्रकार चला रही है। तभासं की महिला नीति यह है कि महिला/पुरुष मिलकर काम करें। जहाँ महिला विकास के अवसर नहीं हों वहां कुछ अतिरिक्त अवसर महिलाओं के निर्णय से ही सृजित करने में मदद कर देता है।

- महिला/पुरुष के संवेदनशील मुद्दों को सहजता से तथा दोनों की समझ से ही सुलझाने में विश्वास रखता है। पूरे परिवार हित में ही महिला हित जुड़ा होता है। पूरे परिवार की जरूरत को महिलाएं ही अच्छी प्रकार समझती हैं। देखने में आया है, जब महिला कोई अच्छा काम शुरू करती है, तो पुरुषों का सहयोग मिलता है। कुछ अपवाद छोड़कर महिला पुरुष मिलकर ही एक दूसरे को सशक्त व समृद्ध बनाने में सहयोग करते हैं क्योंकि दोनों ही परिवार हित में निर्णय लेते हैं। कभी-कभी बेसमझी से तनाव दिखता है। तनाव के बिन्दु भी मिलकर ही सहजता से हल होते हैं। जब तनाव के मुद्दे घर से बाहर निकलकर, एकपक्षीय होकर उछलते हैं, तो परिवार टूटते हैं। परिवार को टूटने से बचाने हेतु ही हम दोनों से साथ-साथ बात करते हैं। महिला के प्रति अधिक संवेदना मन में रखकर काम करते हैं।

रजनी भट्ट एवं वासुदेव भट्ट का उदाहरण इसका सबसे बड़ा प्रमाण है। रजनी को कार्यकर्ता बनने में वासुदेव जी ने मदद दी तथा रजनी ने वासुदेव की मदद की है। अत: महिला संवेदी सवालों से जुड़ने के लिए दोनों का साथ-साथ होना जरूरी है। इसी प्रकार खनन क्षेत्रों में महिला/पुरुष दोनों साथ-साथ चेतना जागरण एवं संगठन कार्य करने में हमें अच्छी सफलता मिली है। भट्ट परिवार संस्था में जुड़ने से पहले बहुत तनाव में था, दु:खी था। आज पूरा परिवार सुखी व समृद्ध है। अब ये दूसरों की मदद करते हैं। इस परिवार ने लड़कियों को पढ़ाकर योग्य बना दिया। ये लड़कियाँ गलीचे बुनाई में काम करते हुए पढ़ नहीं पायी थीं। वे इस पूरे परिवार ने मिलकर पढ़ाई है।

सबको शिक्षा कार्यक्रम, 1 अप्रैल 1997 से 31 मार्च 1998 तक की वार्षिक प्रगति रिपोर्ट

क्र.सं.	गतिविधियां	माह	स्थान/गांव	गांव की संख्या
1.	शिशुपालना गृह	अप्रैल से मार्च	अलवर जिला	14 के.स.क.बो.
2.	बाल विकास केन्द्र	,,	,,	10 तभासं
3.	वातावरण निर्माण/जनसंख्या	12 माह सतत	किशोरी संकुल	36, लो.जु.प.
4.	प्रेरक दल प्रशिक्षण	मई	त.भा.सं.	4 गांवों का
		जून	त.भा.सं.	4
		जुलाई	त.भा.सं.	4
		अगस्त	त.भा.सं.	4
		सितम्बर	त.भा.सं.	5
5.	महिला समूह प्रशिक्षण	मई	त.भा.सं.	4
		जून	त.भा.सं.	4
		जुलाई	त.भा.सं.	4
		अगस्त	त.भा.सं.	4
		सितम्बर	त.भा.सं.	4
		अक्टूबर	त.भा.सं.	3
6.	सहज शिक्षा	अप्रैल 1998		24 केन्द्र
	अनुदेशक प्रशिक्षण एवं भ्रमण		त.भा.सं./दिगन्तर	40 व 10 दिवसीय
	साप्ताहिक बैठकें		त.भा.सं.	1 दिवसीय
7.	भवन निर्माण/समिति प्रशिक्षण शिविर			
	गोपालपुरा		त.भा.सं.	

	गोबिन्दपुरा		त.भा.सं.	
	नैडोली		प्रतापगढ़	
	बाछडी		त.भा.सं.	
	क्यारा		क्यारा	
	बल्लूवास		त.भा.सं.	
	गु. गुगली		त.भा.सं.	
8.	बालिका मेला		त.भा.सं.	10 गांवों का
9.	महिला स्वास्थ्य केन्द्र			
अ	तरुण भारत संघ,परिसर		त.भा.सं. 4 बार	10 गांवों का
आ	अजबगढ़		2 बार	27 गुवाढ़ों का
इ	पिपलाई		1 बार	3 गांवों का

इक्को परियोजना के अन्तर्गत तरुण भारत संघ द्वारा चलाये गये कार्यक्रम

क्रं सं.	उपकेन्द्र	कार्यक्रम												
		प्राकृतिक संसाधन प्रबन्धन					चेतना एवं संगठनात्मक प्रशिक्षण							
		जोहड़/ बांध	चैक डेम/ एनिकट	कुण्ड	टांका	नाला बन्डिंग मेड़बन्दी	चेतना शिविर		स्वास्थ्य प्रशिक्षण शिविर		शैक्षिक भ्रमण		पद यात्रा	विशेष विवरण
							शिविर	संभागी	शिविर	संभागी	भ्रमण	संभागी		
1.	ग्रामोदय सामाजिक संस्थान थली, तह. चाकसू, जयपुर	7	2	-	-	5	2	152	-	-	1	23	-	-
2.	अलर्ट संस्थान, तह., गौगुन्दा, उदयपुर	-	1	-	-	22	1	65	-	-	1	44	-	90 परिवार (30 एकड़)
3.	ग्राम विकास नवयुवक मण्डल, लापोडिया, जयपुर	13	1	1	-	2	-	-	-	-	-	-	-	-

4.	ग्रामीण विकास सेवा संस्थान, तितरवाड़ा कला, दौसा	10	-	-	-	26	3	110	6	325	1	58	-	-
5.	उपकेन्द्र रिवाली, तह. बामनवास सवाईमाधोपुर	10	1	1	3	15	9	371	3	65	1	48	6 दिवसीय	15 टांकों में फिटकरी डाली
6.	उपकेन्द्र मौराली, तह. सिकराय, दौसा	-	-	-	-	-	2	55	-	-	-	-	-	-
7.	उपकेन्द्र गढ़मौरा, तह. नादौती, करौली	9	1	-	13	9	-	-	-	-	-	-	-	-
8.	उपकेन्द्र रायसर, तह. जमुवारामगढ़, जयपुर	8	-	-	-	6	-	-	1	36	1	52	-	-
9.	उपकेन्द्र तिजारा, अलवर	4	-	-	-	-	-	-	1	42	1	58	-	-
10.	उपकेन्द्र देवरी, तह. राजगढ़, अलवर	3	7	-	-	7	2	457	1	72	-	-	-	-
11.	उपकेन्द्र अजबगढ़, तह. थानागाजी, अलवर	3	7	-	-	7	2	457	1	72	-	-	-	-
12.	उपकेन्द्र माण्डल-वास, तह. राजगढ़, अलवर	-	-	-	-	-	1	72	-	-	-	-	-	-
13.	तरुण आश्रम भीकमपुरा, अलवर	63	8	2	1	60	2	1200	संलग्न है		-	-	-	-

तरुण भारत संघ एवं अन्य संस्थाओं के 21 कार्यकर्ताओं को 6 माह का सामलातदेह प्रबन्धन प्रशिक्षण दिया ।

वर्ष 97-98 का स्वास्थ्य कार्य विवरण (ICCO)

क्र.	कार्यक्रम	संख्या	माह	ग्राम/स्थान	सहभागी संख्या	विशेष विवरण
1.	जड़ी बूटी पहचान, शिविर एवं उपयोग	2	फरवरी 98	ढाकपुरी, तिजारा, रघुनाथगढ़, रामगढ़	40+50=90	गिरवाजी क्षेत्र, सरिस्का, जहाज क्षेत्र, सरिस्का भ्रमण
2.	आयुर्वेद चेतना शिविर	3	जनवरी से मार्च, 98	पाटन-2, तिजारा, टोरडा, विराटनगर	60+125=185	कालीघाटी, पाण्डुपोल क्षेत्र में भ्रमण
3.	दायी 'धात्री' प्रशिक्षण शिविर	2	मार्च	संघ चिकित्सालय, उपकेन्द्र रिवाली	16	प्रसव का प्रत्यक्ष प्रशिक्षण
4.	महिला एवं शिशु स्वास्थ्य शिविर	2	जनवरी, 723	अजबगढ़, गिरधर की ढाणी तिजारा	66	प्रत्यक्ष ज्ञान कराया

5.	औषध निर्माण 'फार्मेसी कार्य'	-	-	-	-	10 औषधियां शोधन तथा 60 औषधियों का निर्माण
6.	वन औषधि उद्यान विकास	भीकमपुरा चिकित्सालय परिसर में वनौषध उद्यान लगाया				लगभग 101 नवीन औषधियां वृक्ष, गुलम, क्षुप, एवं लता पौधों को लगाया
7.	चिकित्सा शिविर	23	97-98	दौसा, जयपुर, अलवर, सवाईमाधोपुर, के 18 गांव में शिविर	814 रोगी	
8.	महिला चिकित्सा शिविर, पाटन	12	97 से 98	पाटन	454 रोगी	पाटन गांव में पूरे वर्ष 10 तारीख को नियमित शिविर हुए
9.	तरुण भारत संघ चिकित्सालय में		अप्रैल 97 से 98	भीकमपुरा	1347 रोगी	प्रतिदिन लगभग 5 5 रोगियों का उपचार करना। रोगों की उत्पत्ति के कारण बताना।
10.	तरुण स्वास्थ्य रक्षक प्रशिक्षण शिविर	3	फरवरी, मार्च	संघ चिकित्सालय	34	स्वास्थ्य रक्षकों को रोगी, रोग प्रशिक्षण तथा जड़ी बूटियों की पहचान कराना तथा 28 प्रकार की वनौषधियां दी गईं
11.	तरुण स्वास्थ्य रक्षकों द्वारा देखे गये रोगी	47 तरुण रक्षक	अप्रैल 97 से मार्च 98 तक	पूरे कार्य क्षेत्र में 140 गांव	2,10,240 रोगी	यह आंकड़ा औसत से आया है

नोट : (1) *तरुण स्वास्थ्य रक्षकों के लिए प्रत्येक 3-3 दिन के तीसरे माह 7 दिन का प्रशिक्षण शिविर आयोजित कर चिकित्सा कार्य में आने वाली समस्याओं का समाधान एवं प्रशिक्षण कार्य को जारी रखा है।*

(2) *तरुण भारत संघ के स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत कुल मिलाकर दो लाख बारह हजार आठ सौ पचपन (212855) रोगी देखे गये, तथा जड़ी-बूटी से बनी औषधि से उपचार किया।*

जंगल व जंगली जीव संरक्षण कार्यक्रम

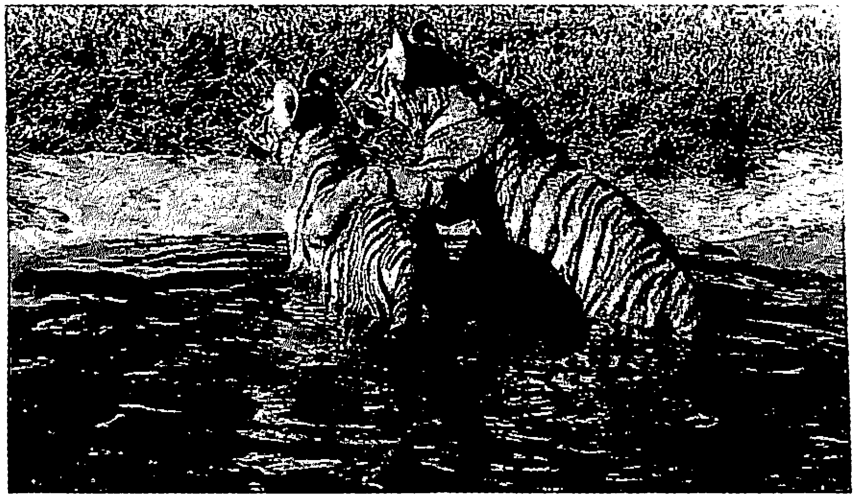

- दिनांक 10 से 12 अप्रैल 97 तक तरुण आश्रम में जल, जंगल, जंगली जीव संरक्षण, विकास, मानव अधिकार तथा पर्यावरण संरक्षण विशेषज्ञों का एक सम्मेलन आयोजित किया। इस सम्मेलन में देश भर के जाने-माने विशेषज्ञों ने भाग लिया तथा गम्भीर चर्चा हुई। वैचारिक दूरियों को कम करके साथ मिलकर काम करने का निर्णय लिया गया।

- अरवरी नदी के जीवों की रक्षा करते हुए इस पूरे क्षेत्र को लोक वन्य जीव अभयारण्य का दर्जा दिलाने की बात तय हुई। आशीष कोठारी, भारतीय लोक प्रशासन संस्थान नई दिल्ली ने इस पर गहन अध्ययन करने की जिम्मेदारी ली।

- उच्चतम न्यायालय के जंगल संबंधित निर्णयों की पालना तथा जनहित को प्राथमिकता दिलाने के लिये भी कार्यक्रम बनाया।

- संरक्षित क्षेत्रों में साझा वन प्रबन्धन के 3 गांवों में त.भा.सं. ने प्रयास किये हैं। इनमें से दो प्रयासों का अध्ययन किया गया। इस पर त.भा.सं. ने, सरिस्का के कोर क्षेत्र स्थित देवरी गांव तथा बफर क्षेत्र में स्थित माण्डलवास के अध्ययन पर दो पुस्तकें प्रकाशित की हैं। इनमें जंगलात विभाग के साथ संघर्ष तथा साझे प्रयासों की जानकारी है।

प्रशिक्षण तथा प्रशिक्षण सामग्री

- इस वर्ष 21 कार्यकर्ताओं को छः माह का प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षण सामग्री तैयार हुई। इस सामग्री से एक पुस्तक तैयार की गई है। इसका नाम है, सामलातदेह प्रबन्धन।

- सामलातदेह प्रबन्धन का सम्पादन डॉ. जी.डी. अग्रवाल जी ने किया है।

- सेहत में स्वावलम्बन नामक कार्यक्रम के तहत, क्षेत्र की जड़ी-बूटी पहचान प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाया। इसके साथ-साथ ही इस क्षेत्र की 130 जड़ी-बूटियों का दस्तावेजीकरण का कार्य वैद्य संजय सिंह व शम्भूनाथ जी ने किया तथा सम्पादन वैद्य वोदन लाल मीणा ने किया।

- इस वर्ष 14 नये तरुण स्वास्थ्य रक्षक प्रशिक्षित किये गये। ये सवाईमाधोपुर जिले के पहाड़ी दुर्गम क्षेत्रों के हैं। इन्हें जड़ी-बूटियों से औषधि तैयार करने का प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही साथ उपचार करना भी सिखाया गया। इसकी जानकारी देने वाली पुस्तिका तैयार की है। स्वावलम्बी खेती-बाड़ी करने के लिए सैंद्रिय खाद निर्माण का प्रशिक्षण दिया, अन्न सुरक्षा के लिए परम्परागत कोठी निर्माण आदि कार्यक्रम चलाये गये।

- ग्राम सभा, लोक समिति, महिला संगठन निर्माण प्रक्रिया तथा संचालन आदि के लिए लोगों को प्रशिक्षित किया गया। सामलात प्रबन्धन हेतु ग्रामीण बड़ी संख्या में प्रशिक्षित हुए।

खनन क्षेत्र में वैकल्पिक रोजगार कार्यक्रम (OXFAM 97-98)

क्र.सं.	कार्यक्रम	कार्यक्रम संख्या	ग्राम संख्या	भागीदार संख्या	विशेष
1.	खनन क्षेत्र में जन जागृति कार्यक्रम	13 शिविर	13 गांव	870 सम्भागी	महिला/पुरुष
2.	महिला जागृति	20 शिविर	20 गांव	700 सम्भागी	सभी उम्र की महिला भागीदार
3.	पद यात्रा	4	20 गांव	दो हजार लोगों से सम्पर्क	प्रत्येक पद यात्रा दल पांच गांव में पहुंचा
4.	जोहड़ निर्माण	32	13 गांव	7000 जनसंख्या को	सीधा लाभ मिला

प्रशिक्षण एवं सामलात संसाधन विकास परियोजना वर्ष (I.C. 97-98)

क्र.सं.	कार्यक्रम	संख्या	क्षेत्र	सन्दर्भ व्यक्ति	विशेष
1.	जोहड़/बांध/एनिकट/ मेड़बन्दी/नाला बन्डिंग	99	राजगढ़/थानागाजी	डॉ. जी.डी. अग्रवाल, मैनपाल, गोपाल, राजेन्द्र सिंह	जल ग्रहण विकास विचार के आधार पर हुआ
2.	प्रशिक्षण कार्यकर्ता	30	15 गांव से	20 कार्यकर्ता	कार्यरत रहे
3.	केसस्टडी	5	5 गांव	I.C. कार्यक्षेत्र	मैनपाल, गोपाल
4.	नेटवर्किंग	7 संस्थाओं के साथ	पूर्वी राजस्थान	राजेन्द्र सिंह	40 संस्थाओं से सम्पर्क रहा

5.	कार्यशाला	1	डॉ. जी.डी. अग्रवाल		जल संरक्षण तकनीक
6.	रिसोर्स मेटेरियल		आनन्द कपूर		जल जंगल जमीन सम्वर्धन संबंधित सामग्री संग्रह
7.	भ्रमण	5	5 गांव के किसानों को पांच बार अलग-अलग जल ग्रहण क्षेत्र विकास के कार्य दिखाये		
8.	रिफ्रेसर प्रशिक्षण	2	3-4 दिन	डॉ. जी.डी. अग्रवाल मैनपाल, आनन्द कपूर, राजेन्द्र सिंह	1. जल संरक्षण की विधियां, 2. परम्परागत जल संरक्षण

रैणी में जलसंरक्षण परियोजना (दिसम्बर 1997-G.T.Z)

क्र.सं.	कार्यक्रम	कार्यक्रम संख्या	गांव संख्या	भागीदार	विशेष
1.	जोहड़/बांध	19	17	8000 जनसंख्या	सीधा लाभ
2.	जोहड़/बांध निर्माण प्रशिक्षण शिविर	3	3	170	संभागी
3.	भ्रमण	2	10 गांव के किसानों ने	76	त.भा.सं. का पुराना काम देखा

सीडा की सहायता से जलसंरक्षण दिसम्बर 1997

क्र.सं.	कार्यक्रम का नाम	कार्यक्रम संख्या	गांव संख्या	भागीदार	विशेष
1.	जोहड़/बांध/एनिकट निर्माण	116	80	50,000	लक्ष्मणगढ़ मालाखेड़ा, तिजारा, उमरैण
2.	चेतना बैठक	80	80 गांव	3,000	एक गांव में कई बार बैठक हुई
3.	जोहड़ चेतना सम्पर्क	चार बार	150 गांव	17,000	सम्पर्क संवाद
4.	भ्रमण	7	19 गांव के किसान	350 सम्भागी	जलसंरक्षण कार्य दिखाये
5.	रेवाईन्स रोकने का प्रशिक्षण	2	9 त.भा.सं. कार्यकर्ताओं को दो बार प्रशिक्षित किया		कटाव रोक की विधियाँ
6.	रेतीली पाल को स्थायित्व देना	1	35 ग्रामीण व कार्यकर्ता		कार्यशाला

बालश्रम मुक्ति कार्यक्रम

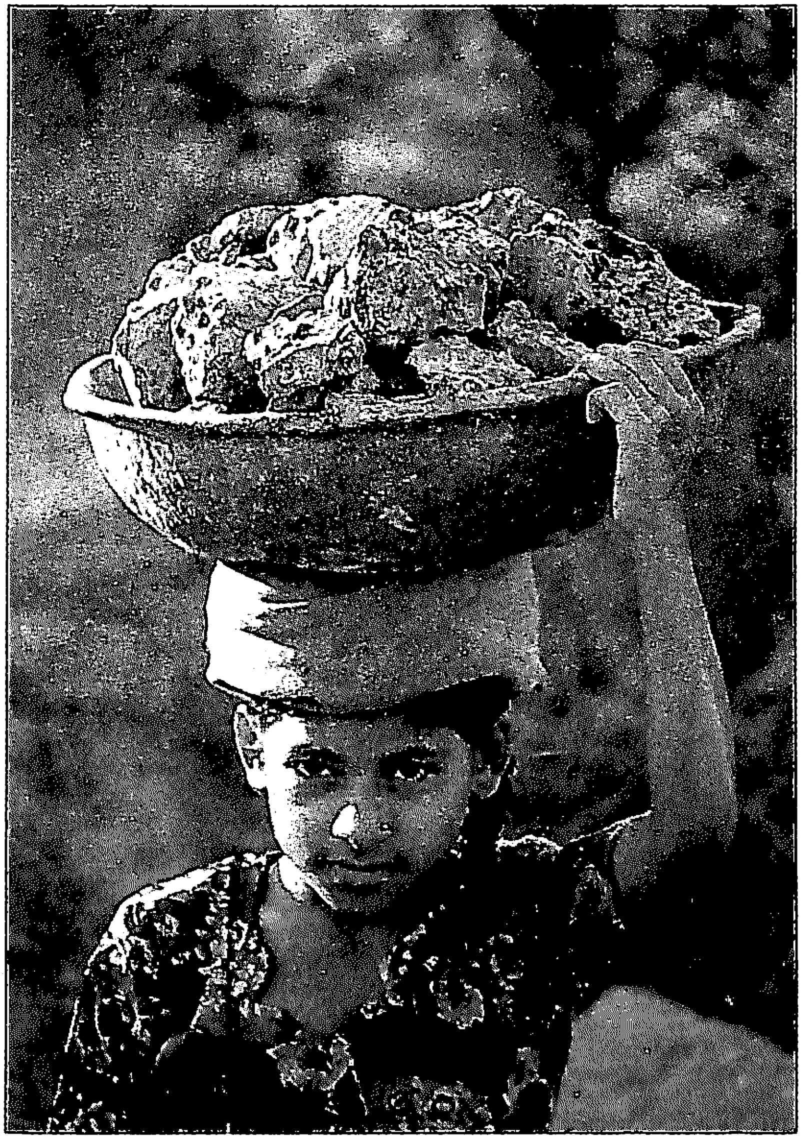

तभासं के कार्य क्षेत्र में गलीचा तथा खदानों में बाल श्रमिक बड़ी संख्या में कार्यरत थे। संस्था ने शिशुपालना घर, बाल विकास केन्द्रों के द्वारा बालशिक्षण का काम किया। रात्रिशालाओं तथा लोक जुम्बिश विद्यालयों के माध्यम से बालश्रम से मुक्ति दिलाने का काम किया है।

- केन्द्रीय समाज कल्याण बोर्ड की मदद से चौदह शिशुपालना घर ऐसे वन क्षेत्रों में चलाये जहाँ पढ़ाई की कोई सरकारी तथा गैर सरकारी व्यवस्था नहीं है। सभी बालक छः वर्ष की अवस्था में होते ही काम में लगा दिये जाते हैं। जो बालक अपने माँ-बाप के साथ में काम करते हैं, वे तो कुछ काम सीखते हैं, तथा उनके माँ-बाप उनके स्वास्थ्य का ध्यान रखते हैं। बाल कोमलता को ध्यान में रखकर ही काम देते हैं। लेकिन खदानों तथा गलीचा बुनाई के ठेकेदार तो बालकों का कोई किसी प्रकार का ध्यान नहीं रखते। उनकी कोमलता को नष्ट कर देते हैं। उन्हें अपने काम का स्वार्थ होता है। बच्चे बीमार होते रहते हैं। इसीलिए तभासं ने बाल विकास केन्द्र खदान तथा गलीचा बुनाई क्षेत्रों में चलाकर बालश्रम से मुक्ति दिलाई है।

सूरतगढ़ गाँव की रजनी शर्मा व सीमा शर्मा ने यहाँ के सैकड़ों बालक/बालिकाओं का शिक्षण कार्य किया है। उनके इस प्रयास से अब माँ-बाप अपने छोटे बच्चों की कोमलता को ध्यान में रखते हुए कठिन कार्य नहीं देते, बल्कि स्कूल में पढ़ने भेजते हैं।

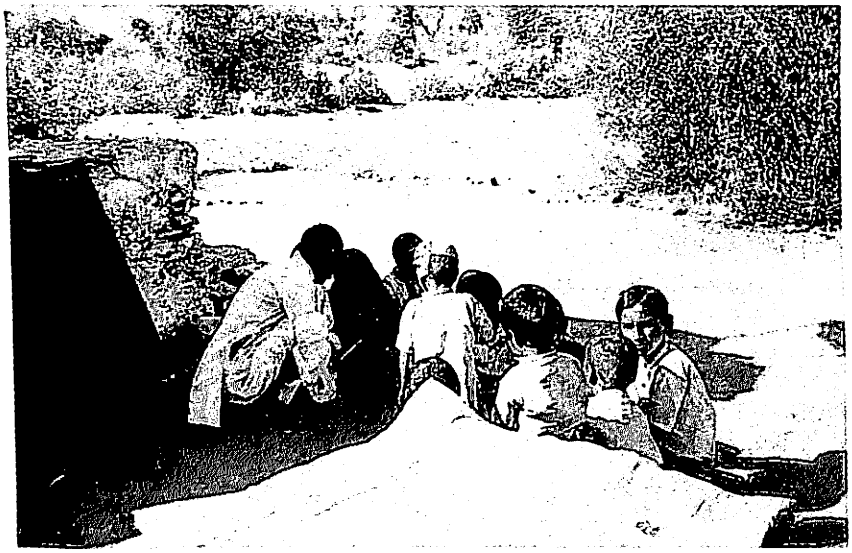

- पहले जो बच्चे केवल पशुपालन में पशु चराने का ही काम करते थे, अब वे पढ़ने लगे हैं। इस वर्ष 760 ऐसे बच्चों को संघ के माध्यम से पढ़ने का अवसर मिला है। सवाईमाधोपुर जिले के 35 गाँव के एक भी बच्चे को अब से पहले पढ़ने का अवसर नहीं मिलता था, क्योंकि ग्रामवासी पलायन करने के लिये मजबूर होते थे। गाँव में जनवरी के बाद पेयजल ही नहीं मिलता था। इसलिये लोग गाँव छोड़कर बाहर चले जाते थे। अब 31 गाँवों में टांके बनने से पेयजल वर्ष भर उपलब्ध रहने लगा। बच्चे भी वहीं गाँव में रहकर अब तभासं द्वारा चलाये गये बाल विकास केन्द्रों में पढ़ रहे हैं।

- बच्चों की देखभाल के लिए स्वास्थ्य कार्यक्रम भी चलाया है। गाँव के ही युवकों को बच्चों की देखभाल एवं स्वस्थ रहने तथा छोटे-छोटे उपचार करने का प्रशिक्षण देकर तैयार किया है। ये प्रशिक्षित तरुण स्वास्थ्य रक्षक गाँव में रहकर ही इन बालकों की देखभाल तथा शिक्षण का सतत कार्य कर रहे हैं।

बाल शिक्षण ही बालश्रम मुक्ति का सबसे प्रभावशाली उपाय है। हमें सरिस्का के गाँवों का अनुभव रहा है, जब बच्चे स्कूल में पढ़ने लगे तो बालकों के माँ-बाप स्वयं काम करने लगे। कभी-कभी वे बच्चों को पशु चराने भेजते थे, तो उस समय तभासं का कार्यकर्ता गाँव में जाकर उन्हें समझाता, फिर माँ-बाप बच्चों को स्कूल भेजते। इस प्रकार कई बार होता था। इसलिए बालश्रम मुक्ति का काम सतत शिक्षण कार्य है। यह कार्य तभासं ने पूरी तत्परता व सातत्य के साथ किया। इसीलिए वर्ष 1997-98 में 760 बच्चों को बालश्रम से मुक्ति दिला सका है। यह कार्य सहज शिक्षण के माध्यम से सम्पन्न हुआ है।

बेघर हुए लोग घर लौटने लगे हैं

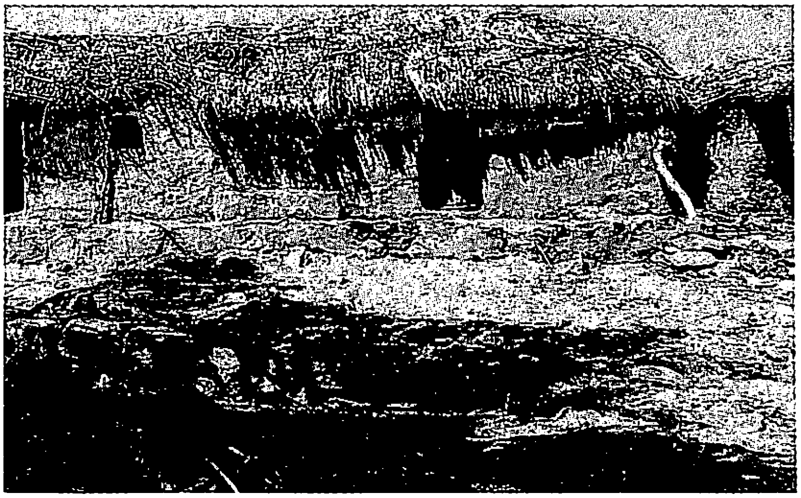

← पूर्व में

बाद में ↓

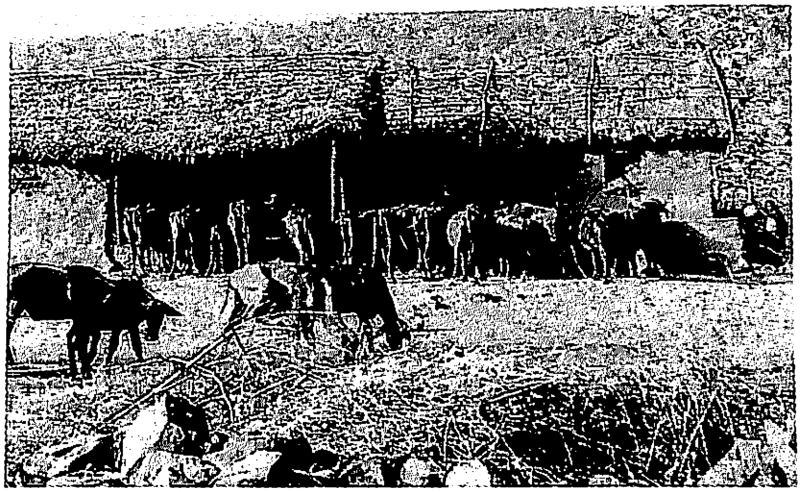

तभासं दूर-दराज के पहाड़ी क्षेत्रों में वर्षा जल-संरक्षण का कार्य करता है। अधिकतर तो जोहड़ बनाकर भू-जल पुनर्भरण किया है। सूखे कुएं सजल बना दिये हैं, लेकिन पहाड़ की चोटी पर रहने वाले लोगों की पेयजल समस्या का समाधान अभी नहीं हो सका है। इसलिए ऐसे क्षेत्रों में टांकों का निर्माण किया। 31 टांके सवाईमाधोपुर जिले में तथा 2 टांके थानागाजी के पहाड़ी क्षेत्रों में बनाये हैं। इन टांकों से बड़ी संख्या में पलायन रुक गया है। इस वर्ष केवल टांकों के द्वारा पेयजल की व्यवस्था करके साढ़े सोलह हजार (16500) की जनसंख्या को मजबूरन पलायन करने से मुक्ति मिली है।

- इस वर्ष 554 जोहड़/बाँध/एनिकट/नाला/बन्ड बनाकर पशु पेयजल, खेती के लिये सिंचाई, घर उपयोग की जल व्यवस्था करके लगभग दो लाख लोगों को अतिरिक्त रोजगार दिया तथा मजबूरीवश होने वाले पलायन से मुक्ति दिलाई। ऐसे सैकड़ों परिवारों की जानकारी मिली है, जो पहले मजबूरीवश गाँव छोड़कर चले गये थे, और अब गाँव में वापस आकर अपनी खेती की जमीन सुधार कर, पानी की व्यवस्था होने से अच्छी खेती

करने लगे हैं। पिपलाई गाँव के कन्हैया खाती का उदाहरण स्पष्ट बताता है, कि वह 1985 में बेरोजगार होकर बैंगलोर अपने चाचा के पास चला गया था। दस वर्ष वहीं काम किया। 1996 में उसने तभासं की मदद से एक छोटा सा एनिकट अपने खेत पर बनाकर बहते नाले को रोक दिया। पानी रुकते ही इनके दादा का बनाया कुआं जो सूखा पड़ा था, उसमें पर्याप्त पानी हो गया। धीरे-धीरे कुएं पर डीजल इंजन लगाकर खेत सींचने लगा। दूसरी तरफ जो मिट्टी बहकर खेतों में नाले बना रही थी। वह भी मिट्टी खेत में रुकने लगी। पहले वर्ष में ही तीन बीघा जमीन खेती के लायक हो गई। दूसरे वर्ष दो बीघा ठीक हुई। तीसरे वर्ष भी कुछ और जमीन ठीक कर ली अब 1998 में उसके पास सात बीघा जमीन खेती योग्य है।

- इस जमीन पर कन्हैया के बेटे/पोते मिलकर खेती करते हैं। इस वर्ष खेत पर आटा पीसने की चक्की लगा ली है। गाड़ी सुधार का काम भी अपने खेत पर रहकर ही शुरू कर दिया है। अब पूरा परिवार अपनी जमीन पर रहकर अत्यन्त प्रसन्न है। इस प्रकार बेघर हुए लोग अब घर लौटने लगे हैं। यह देखकर तभासं कार्यकर्ता भी सुखी हैं।

- तभासं ने अब तक दो हजार पाँच सौ से ज्यादा जोहड़/बाँध राजस्थान के सात जिलों में बनाये हैं। सबसे अधिक अलवर में बने हैं। ये जिले एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। जिले संख्या में सात हैं, लेकिन तभासं के लिए कार्य क्षेत्र एक सघन क्षेत्र ही है। यह क्षेत्र 6500 वर्ग क़ि.मी. में फैला हुआ है। पहले यहाँ भू-जल कम था। खेती के लायक जल नहीं था। लोगों को भोजन, पशुओं को चारे की कमी थी। इसलिए लोग अपने पशुओं को लेकर, अपना पेट भरने के लिए भारी संख्या में मजबूरीवश पलायन करते थे। अब इस क्षेत्र में भरपूर जल है। वर्षभर जल मिलता है। अन्न व दूध का उत्पादन बढ़ गया है। लोगों को भरपेट अन्न मिलने लगा है। इसलिए अब मजबूरीवश होने वाला पलायन रुक गया है। जो लोग मजदूरी के लिये चले गये थे वे अब वापस लौट आये हैं। यह पूरी संख्या तो अज्ञात है। अनगिनत है, लेकिन इसका औसत हमने इस प्रकार निकाला है, गोपालपुरा गाँव में 40 परिवारों में से 30 व्यक्ति मजबूरीवश बाहर जाते थे तथा 2 व्यक्ति स्वेच्छा से जाते थे। अब कुल 4 व्यक्ति मजबूरीवश बाहर जाते हैं। स्वेच्छा से बाहर जाने वालों की संख्या 11 है। ये सरकारी नौकरी, ड्राइवरी करने वाले हैं। ये आर्थिक हालात में आये सुधार के मापक हैं। गोपालपुरा की तरह से यदि पूरे क्षेत्र का आंकड़ा निकालें तो यह संख्या 20X560=11200 (ग्यारह हजार दो सौ) के आस-पास जाती है। वास्तविक संख्या यह बहुत अधिक होगी, क्योंकि गोपालपुरा गाँव तो केवल 40 परिवारों का छोटा गाँव था, पहाड़ के पास था। 560 गाँव जिनमें कार्य हुआ है, ये तो बड़े गाँव हैं। इनकी जनसंख्या अधिक है। अधिक जनसंख्या में अधिक लोग, प्रतिगाँव मजबूरीवश पलायन करते होंगे। मोटेतौर पर यह आंकड़ा पच्चीस हजार के आस-पास पहुँचना चाहिए जिनका मजबूरीवश होने वाला पलायन अब रुका है। स्वेच्छा से ऊँची पढ़ाई, बड़ी नौकरी, अधिक कमाई के लिए जरूर स्वेच्छा से पलायन जारी है।

- पलायन से महिलाओं का कष्ट बहुत बढ़ता था। पलायन रुकने तथा पुरुषों के लौटने से महिलाओं का सुख चैन बढ़ गया है। समृद्धि व शान्ति भी आई है। बेघर हुए लोगों को वापस घर लौटने से इस उजड़े क्षेत्र में बहार लौटने लगी है। वर्षभर खाली पड़े उजाड़ घरों में अब गाय-भैंस आने लगी हैं। महिला-बच्चों की चहल-पहल लौट आई है। जिन घरों की छत्तों पर फूंस तक नहीं बचा था उनके वहाँ अब 8-10 भैंसें खड़ी दिखाई दे रही हैं। बस यही है, गाँव की समृद्धि की शुरुआत।

युवाओं का व्यक्तित्व विकास

न्याय का प्रतिकार करने की हिम्मत रखने वाला युवा वर्ग ही होता है। तभासं ने युवाओं को अन्याय के विरुद्ध लड़ने तथा समाज में रचनात्मक कार्य करने हेतु 35 शिविर इस वर्ष आयोजित किये हैं।

- गाँव के युवाओं को गाँव की समझ बनाकर अपने गाँव का विकास करने हेतु इस वर्ष 21 युवाओं को 6 माह का प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण के बाद उन्हें उनके गाँव का ही विकास करने के काम में लगा दिया।

- सामान्य ग्रामीण युवाओं को जलसंरक्षण कार्यों की समझ बनाने हेतु श्रमदान शिविर आयोजित करके उनका रुझान जलसंरक्षण कार्यों में बना दिया। जिससे अपने गाँव में छोटे-छोटे जोहड़ बनाने के कार्यों में ये आगे आये। ये जोहड़ की टूट-फूट के समय मिलकर मरम्मत करते हैं। गाँव की सामलाती भूमि की देख-भाल के साथ-साथ उन पर वृक्षारोपण भी करते हैं।

- गाँव की भूमि पर होने वाले नाजायज अतिक्रमण को हटाते हैं। गाँव के विरुद्ध होने वाली किसी भी गलत गतिविधि को रोकते हैं। जमुवारामगढ़ वन्य जीव अभयारण्य में 80 गाँवों को विस्थापन के नोटिस मिले। ग्रामीण युवाओं ने ही संगठित होकर, विस्थापन रोकने के लिये गाँव-गाँव घूमकर, घर-घर जाकर, चेतना जागरण किया तथा विस्थापन के विरुद्ध संगठित आवाज बनाई। विस्थापन अभी रुक गया है।

- प्रशिक्षित युवा अब तभासं के साथ मिलकर जगह-जगह नये केन्द्र, समिति, संगठन बनाकर काम कर रहे हैं। ये ग्रामसभा की एकता व मजबूती बनाने के लिए भी काम करते हैं, जबकि बुजुर्ग लोग इन्हें कम अवसर देते हैं। यहाँ के युवा मन में भी यही बैठा है कि निर्णय करने का काम बड़े-बुजुर्गों का होता है। संघ के प्रयास से युवाओं की यह झिझक अब टूटने लगी है।

- जब भी कोई देशी-विदेशी मेहमान संस्था में भ्रमण के लिये आता है, तो युवा ही आगे आकर अपना काम मेहमानों को दिखाते व समझाते हैं। कई तरुण-युवा अब सेवा भाव से ओत-प्रोत हुए हैं।

- शिविर सम्मेलन, मेलों आदि की व्यवस्था स्वेच्छा से ये युवा करते हैं। ये ग्रामीण खेलों का आयोजन आदि का काम करते हैं। पेड़ मेले, पेड़ों को राखी बाँधने का उत्सव मनाते हैं।

- पर्यटन के लिये बाहर भी जाने के इच्छुक ये युवा पर्यटन में जो सीखा है, उसकी पूरी जानकारी गांव में लौटकर ग्रामवासियों को देते हैं।

- अच्छी बात देखने में यह आई, ये युवा अब देशी खाद बीज से होने वाली खेती में रुचि लेने लगे हैं। देशज चिकित्सा पद्धति में कम रुचि के बावजूद 47 युवा आगे आये हैं।

- ऊर्जा की वैकल्पिक व्यवस्था की खोज में भी अब ये रुचि ले रहे हैं।

- प्रकृति के साथ प्रेमपूर्वक रहने के भाव ने ही यहां के युवाओं को अरवरी के जीवों की रक्षा करने हेतु सत्याग्रह के लिये प्रेरित किया है।

- वनों की परम्परागत संरक्षण व्यवस्था में भी युवाओं का अधिक रुझान देखने को मिला। धराड़ी सम्मेलन यहां के युवाओं ने ही आयोजित किया। अब यहां के युवाओं को अपना व्यक्तित्व विकास भी जरूरी लगता है। संप्रेषण - संचार की विधि भी अब अनपढ़ युवा सीख रहे हैं। नाटक, गीत भी यहां के युवा लिखने लगे हैं। ग्रामीण प्रतिभा का बड़ा चमत्कार तब देखने को मिला जब तभासं के काम पर इन्होंने कई गीत व कविता सृजित कर दी।

लौटने लगी पहाड़ों की हरियाली

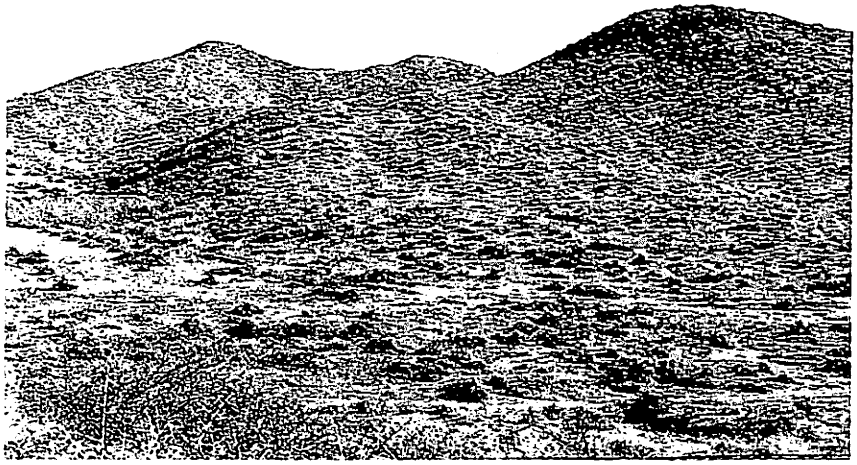

← पूर्व में

बाद में ↓

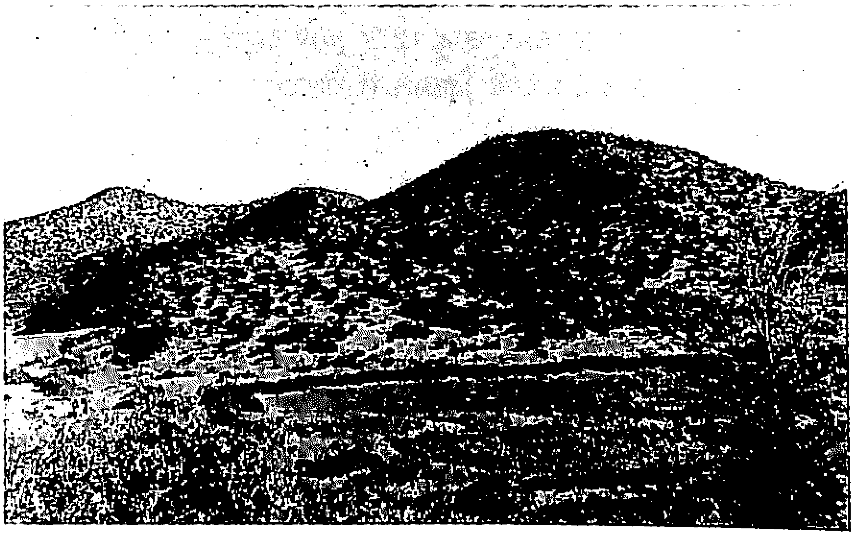

तभासं जुलाई-अगस्त में 'पेड़ लगाओ-पेड़ बचाओ पदयात्रा' 1987 से बराबर करता रहा है। वर्ष 97 में पदयात्रा के दौरान सवा लाख पौधे लगाये गये। ये पौधे तभासं की पौधशाला में तैयार करके लोगों को दिये गये। लेकिन ये पौधे किसानों ने अपने घर, खेत, कुएं, बाड़े आदि स्थानों पर ही लगाये है, जहां ये इनकी अच्छी प्रकार देखभाल कर सकते हैं।

- पिछले 11 वर्षों के सतत प्रयास से ग्रामवासियों द्वारा लगाये ये पौधे तथा बचाये गये पेड़ों की दास्तान स्वयं यह क्षेत्र कह देता है। जगह-जगह हर उम्र के पेड़, पौधे अब यहां अधिक संख्या में दिखने लगे हैं।

- 10 वर्ष उम्र के पौधे, हर जगह खड़े हुए बताते हैं कि आज हमारी रक्षा हो रही है। कल भी हो रही थी। लेकिन 10 वर्ष पूर्व तक एक ऐसा दौर था, जब हम खूब कटे थे। कोई निर्दयी, पापी आज भी मुझ पर हथियार

चलाने को तत्पर होता है, तो उसे रोकने वाले अब यहां गांव में बहुत मौजूद हैं। ऐसे व्यक्ति को समाज ही समझाता है। समाज की समझाईस से अब नंगे पहाड़ हरे-भरे दिखाई देने लगे हैं। यह हरियाली बचाये रखना भी समाज की समझ के बिना किसी संस्था-सरकार के वश की बात नहीं है। कोई एक व्यक्ति या सरकार के लिए पहाड़ों को हरा-भरा बनाना असंभव है।

- भांवता, चौसला, देवरी, माण्डलवास, राडा, रईका जैसे सैकड़ों गांव हैं, जिन्होंने अपने नंगे पहाड़ फिर से मिलकर हरे-भरे बनाये हैं। पहाड़ों की हरियाली से पशुओं को भरपेट चारा, ईंधन, कुओं में जल बढ़ा है ये सब ही तो इस क्षेत्र की जिन्दगी का आधार हैं। जब से इस क्षेत्र के किसान को अपने इस आधार पर भरोसा बना है, तभी से इसकी श्रमनिष्ठा बनी है।

- श्रमनिष्ठा ने धीरज-विश्वास को जन्म दिया। बस एक दूसरे के ऊपर विश्वास ने जगा दिया विवेक, विवेक जगते ही, लोगों ने मिलकर बनाये अपने 'गांवाई दस्तूर' गांवाई दस्तूरों में लिखा गया, गांव के पहाड़ से कोई हरी लकड़ी नहीं काटेगा। ऊंट, बकरी से पेड़ों को बचायेगा। अमुख क्षेत्र की चराई बन्द। जंगलों को नुकसान पहुंचाने वालों को रोकने में पूरा गांव सहयोग करेगा। सहयोग जो नहीं करेगा, उसके लिये गांव तय करेगा सजा। दीवाली से पहले पहाड़ में से हरी घास नहीं काटेंगे। अंगूठे से मोटा छांगण नहीं लेंगे। पेड़ को हानि पहुंचाने वाले को तुरंत रोकना, रोक नहीं सके तो गांव में आकर सूचना देना। देखने पर जो सूचना नहीं देगा, उसको अपराधी से दोगुनी अधिक सजा मिलेगी।'' इन दस्तूरों ने ही लौटाई है, पहाड़ों पर हरियाली। इनको बनाने वाले, मानने वाले ग्रामवासी, ग्राम संगठन, ग्राम सभा धन्य हैं।

- धन्ना, अर्जुन, सुन्दरा जैसे बुजुर्ग जो आज भी गांव-गांव घूमकर फैला रहे हैं हरियाली। बांट रहे हैं प्यार और मित्रता पेड़ों के साथ, जोड़ रहे है हमारे रिश्ते। याद दिला रहे है, धराड़ी जैसी महान परम्परा की पेड़ की रक्षा करेंगे। जान देकर भी दिलाते हैं संकल्प।

- यहां हरियाली लाने वाले गुर्जर, मीणा, बलाई, माली, अहीर, जाट, मेव, राजपूत, बनिया, ब्राह्मण हैं। अब भी सबको मिलकर नंगे बचे दूसरों पहाड़ों को हरा-भरा बनाने के लिये जुटना होगा। याद रखना होगा अपना वंश वृक्ष। लेकिन बराबर स्नेह देना होगा दूसरे गोत्र के वंश वृक्ष को भी। डालने होंगे जगह-जगह बीज हरियाली के लिए। मिलकर बराबर लेना होगा संकल्प, नंगे बचे दूसरे पहाड़ों के लिए। वीरान, पड़ती जमीन को उपजाऊ बनाकर ही हम कुछ पहाड़ों पर हरियाली ला सके हैं। आगे भी यह काम जारी रहेगा।

- तभासं के प्रयास से अब तक ग्यारह सौ वर्ग कि.मी. के आस-पास नंगे पहाड़ों पर हरियाली लौट आई है। दो हजार कि.मी. में हरियाली बचाई गई है। सरिस्का व जमुवारामगढ़ में हरियाली बचाने के लिए उच्चतम न्यायालय भी जाना पड़ा। सरकार पर दबाव बनाने हेतु ग्राम-ग्राम संगठन बनाने पड़े हैं। अन्त में हरियाली की विजय हुई। हरियाली को खत्म करने वालों को हार का मुँह देखना पड़ा। आशा है, भविष्य में भी हमारा समाज हरियाली विरोधियों का हृदय परिवर्तन कर सकेगा और हरियाली को बचायेगा।

सहयोग का प्रतीक, पावड़ी परियोजना, जल ग्रहण क्षेत्र अजबगढ़ में किये गये कार्यों का विवरण

क्र.	गतिविधियां	अप्रैल	मई	जून	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी	फरवरी	मार्च	कुल कार्यक्रम
1.	जन सम्पर्क/मीटिंग	माइक्रो नं. 1,2,4, 5,6,7, 8,13,1	माइक्रो नं. 2,3,4, 7,8,18, 19	माइक्रो नं. 1,2,3, 4,7,8, 14,18,19	माइक्रो नं. 1,2,3, 4	माइक्रो नं. 1,2,3, 7,8,0	माइक्रो नं. 2,3,5, 8,10, 15	माइक्रो नं. 1,2,5, 7,8,9, 10,15, 18,19	माइक्रो नं. 1,3,4, 5,7,8, 10,15, 18,19	माइक्रो नं. 1,3,5, 7,8,1, 3,14,19	माइक्रो नं. 2,3,8, 10,1,4, 15,18, 19	माइक्रो नं. 2,3,5, 7,14, 16,18, 19	माइक्रो नं. 5,8,10, 11,12,1, 3,14,1,5 16	
2.	शैक्षणिक भ्रमण	1					1	1			1	6		10
3.	कार्यकर्ता प्रशिक्षण			1	1							1		3
4.	लोक समिति प्रबंध प्रशिक्षण	2	1	1					1			3		8
5.	महिला समूह प्रशिक्षण			1	1		1		1			1		5
6.	लोक समिति गठन (23)	1	2	2				1	1	2	2	2		13
7.	पी.आर.ए. (12)		4	8	7									19 गांव के
8.	लोक समिति तकनीकी प्रशिक्षण													
9.	किसान सम्मेलन			1	3									4
10.	प्रवेश बिन्दु गतिविधियां					1	1	1		2	2	2	2	11
11.	सामाजिक आर्थिक सर्वेक्षण			4	14	16	7	8						49गांव
12.	दस्तावेजीकरण	पर्चे, पोस्टर निर्माण		पावड़ी परियोजना कार्यों की समीक्षा							लोक समिति सशक्तिकरण समीक्षा रिपोर्ट			
13.	लोक समिति अध्यक्षों का प्रशिक्षण									1		1		2
14.	पदयात्रा			2					1		1	1		4

सहयोग काम को आसान बनाता है

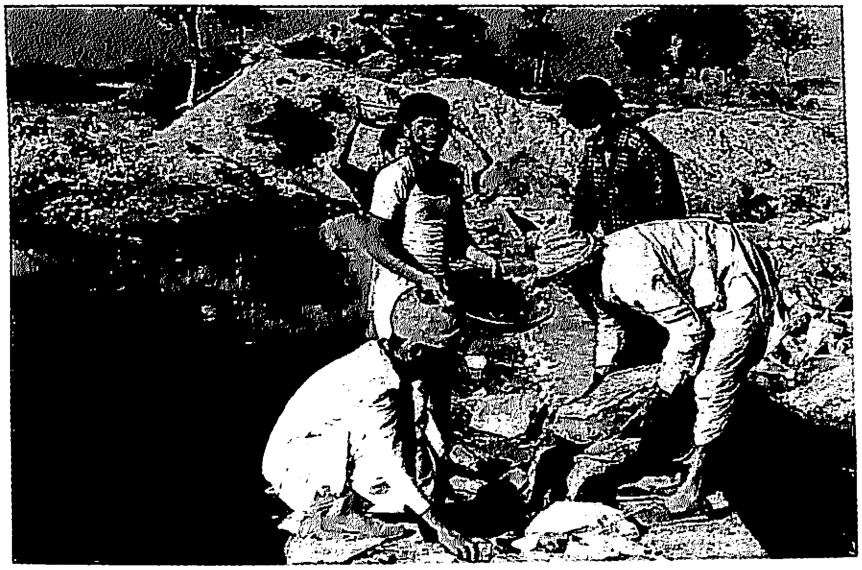

आरंभ में तभासं को अपने कार्यों में बहुत कठिनाई का सामना करना पड़ा था। गोपालपुरा में पेड़ लगाने तथा पेड़ बचाने जैसे पवित्र काम के लिए भी सरकार से संघर्ष हुआ था।

- गोविन्दपुरा-गोपालपुरा के बांधों को जिन्हें ग्रामवासियों ने मिलकर बनाया था, उन्हें भी अवैध करार देकर सिंचाई विभाग ने तोड़ने के नोटिस दिये थे। वनभूमि में जलसंरक्षण व जंगल संरक्षण जैसे कार्यों को भी स्वयं वन विभाग ने 1986 में मनाही कर दी थी।

- 1997-98 का वर्ष सरकारी सहयोग का वर्ष रहा है। इस वर्ष में वन विभाग ने भी मिलकर काम करने की पेशकश की है। साझा वन प्रबन्ध के कुछ काम यहां शुरू हुए। वन्य जीवन संरक्षण के भी साझा प्रयास सरिस्का, जमुवारामगढ़ वन्य जीव अभयारण्यों में तेज हुए हैं।

- भू-संरक्षण निदेशालय के साथ मिलकर हजारों एकड़ भूमि पर वाटरशैड विकास के कार्य किये हैं। पावड़ी परियोजना का संचालन तभासं की नीति के अनुरूप सरकार, ग्रामवासी तथा तभासं मिलकर कर रहे हैं।

- अब सिंचाई विभाग ने तभासं के साथ मिलकर काम करने की पहल की है। इनके अधिकारियों को भी जोहड़ बनाने का विचार अब कुछ समझ में आने लगा है। संस्था ने भी विभाग के साथ मिलकर काम करने का मन बना लिया है। वर्ष 1996 की बाढ़ के दौरान टूटे सरकारी बांधों की मरम्मत कराने में सहयोग के लिये ग्रामवासियों का जुड़ाव बनाया है। काम पर निगरानी रखने के लिए निगरानी समितियां भी गठित की गई हैं।

- शिक्षा विभाग के साथ मिलकर भी शिक्षण कार्य कर रहे हैं। इन्दिरा गांधी खुला विश्वविद्यालय के कुछ पाठ्य-क्रम निर्माण में हमने सहयोग किया है। उदयपुर विश्वविद्यालय तथा जयपुर विश्वविद्यालय से भी सहयोग इस वर्ष में हमें प्राप्त हुआ है। भारत सरकार के कई मंत्रालय, विभाग इस वर्ष सहयोग लेने तथा देने के लिए आगे आये हैं।

- जलनीति, भू-जल अधिनियम बनाने के लिए हम राज्य सरकार को कई बार मिलकर-लिखकर प्रयास कर चुके थे सौभाग्य से इस वर्ष यह कार्य कुछ आगे बढ़ा है, लेकिन लोकसभा चुनाव के बाद इस कार्य में ठहराव आ गया है। हमारा प्रयास जारी है। अभी तक जो प्रारूप बना है। उसको जनता के बीच ले जाकर जन जागरण कार्य करके हम सरकार का सहयोग कर रहे हैं। जनता की तरफ से अब जो सुझाव आये हैं उन्हें एकजाई करके अक्टूबर, 98 तक सरकार को देंगे।

- वन प्रबन्धन के लिए लोक भागीदारी बढ़ाने तथा पर्यावरण जागरूकता करने हेतु हमने सरकारी कर्मचारियों का सहयोग लिया है। उन्हें सहयोग दिया भी है।

- पल्स पोलियो अभियान, शाला महोत्सव, वृक्षारोपण समारोह, सम्पूर्ण साक्षरता, जैसे सरकारी कार्यों में भी संस्था ने सहयोग किया है। काण्डला तूफानग्रस्त क्षेत्रों में राहत व सेवा कार्यों में सहयोग किया। परिवार कल्याण के लिए महिला/पुरुषों में चेतना जागरण किया है।

- ऊर्जा की वैकल्पिक व्यवस्था करने में भी राजस्थान सरकार ने सहयोग किया है। कालेड़, देवका, देवरा में पवन चक्की लगाकर सरकार ने संस्था तथा ग्रामवासियों का साथ दिया। सौर ऊर्जा के लिये भी बात चल रही है।

- पंचायत प्रतिनिधियों के प्रशिक्षण में जिला प्रशासन की वचनबद्धता है। पंचायत निदेशालय भी इस दिशा में रुचि लेगा ऐसी आशा है। यह कार्य हमने 1992-93 में शुरू किया था। सरकारी रुचि व सहयोग नहीं मिलने से रुक गया है। अब पुनः शुरू करने का विचार है।

- पशुपालन विभाग ने कामधेनु योजना तथा पशु चिकित्सालय स्वैच्छिक संस्थाओं को देने की योजना में जिला स्तर पर अधिकारियों का हमें पूरा सहयोग मिला।

- भारत सरकार का अन्न सुरक्षा अभियान, जयपुर हमारे साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम कर रहा है।

- बाघ परियोजना, सरिस्का के सब अधिकारी कर्मचारी हर प्रकार से हमारा सहयोग कर रहे हैं। इसलिए हम सरिस्का में तीन नदी, रूपारेल, जहाजवाली, भगाणी को वर्ष भर सजल रहने योग्य बना सकें हैं। जंगल, जंगली जीव बचाने में हम, विभाग तथा ग्रामवासी मिलकर काम करने हेतु तत्पर हैं। अब सरिस्का में हरियाली लौट रही है। इस वर्ष सरकारी सहयोग मिलने का कोई राजनीतिक कारण नहीं है, बल्कि संबंधित विभागों के साथ

समझ, काम का संबंध बना तथा आपसी सहयोग की प्रक्रिया रही है। हम जानते हैं - यह बदलता रहता है, लेकिन आशा है, सरकार अब हमारे स्वैच्छिक कार्यों में अड़गें नहीं लगायेगी , बल्कि सहयोग करेगी। यह सहयोग की प्रक्रिया लम्बी चलेगी।

- जब सरकार हमारे काम में अड़गें लगाती थी, तब भी हम सरकारी अड़गें से बचने का छोटा रास्ता नहीं निकालते थे, बल्कि इन्हें हटाने के लिये संवाद करते थे। उसी में से रास्ता निकालकर आगे बढ़ते थे। उस संवाद का ही परिणाम है। आज सहयोग मिलने लगा। आपसी सहयोग से किया गया काम ज्यादा टिकता है। फलदायी होता है ऐसा करने से नये रास्ते भी निकलते हैं।

- न्याय व्यवस्था के सृजनात्मक सहयोग के कारण हम पूरे देश में वन भूमि पर चलने वाले खनन को बन्द करा सके। पर्यावरण के सवाल पर आज छोटा-बड़ा उद्योगपति सहज रूप से चर्चा करने लगा। उच्चतम न्यायालय ने हमारे केस पर जो आदेश दिया उसने उद्योग जगत को विचार करने के लिये मजबूर किया। हमने भी उनके साथ संवाद की प्रक्रिया चलाई। परिणाम यह है कि अब छोटे से छोटा खदान चलाने वाला व्यक्ति भी पर्यावरण, मजदूर सुरक्षा, जंगल बचाने व जंगल लगाने की बात करने लगे हैं। अभी व्यावहारिक रूप में करने वालों की संख्या कम है। आशा है हम यह संख्या आपसी सहयोग के आधार पर बढ़ा सकेंगे।

- अन्तर्राष्ट्रीय प्रयासों का सहयोग हमें जल प्रबन्धन के काम हेतु मिला। इनके सहयोग से तथा समाज की श्रमनिष्ठा आपसी विश्वास, लगन विवेक से हम अपने 6500 वर्ग कि.मी. क्षेत्र को सजल करने की हिम्मत जुटा पाये। यदि इनका सहयोग नहीं मिलता तो यह कार्य करने में अधिक समय लगता। अधिक कठिनाई उठानी पड़ती। अब तो हमें यह काम करने से ऐसा लगता है कि हमारे समाज को सकार का सहज व सरलता से सहयोग मिल जाये तो पूरे देश में जल प्रबन्धन की समस्या का समाधान सहज रूप से हमारा समाज स्वयं कर लेगा। सरकार का सृजनात्मक सहयोग जरूरी है। इसके बिना बड़े काम में अधिक समय लकता है। तभासं की तरह कठिनाई का सामना भी करना पड़ता हैं।

- सरकारी साधन जिनके हाथ में हैं, वे जनता पर पूरा विश्वास करने लगे। जनता भी श्रमनिष्ठा से काम करने लगे तो आज जो मार्च-अप्रैल में ही जगह-जगह पानी की त्राहि-त्राहि होने लगती है उसका समाधान हो जायेगा। आशा है हमारी सरकार, हमारे समाज को सृजनात्मक सहयोग करेगी। सहयोग से ही काम आसान बनता हैं। समाज की अगुवाई में आपसी सहयोग से बने जोहड़ों की सूची आगे हैं।

तरुण भारत संघ व लोगों के सहयोग से वर्ष 1997-98 में बने बांध/जोहड़ों का विवरण

इक्को						
क्र.सं.	जोहड़/बांध	गांव का नाम	प्र.स.	कुल लागत	श्रमदान	संस्था द्वारा
1.	फूटाला जोहड़	तोला वास	थानागाज़ी	6,040.00	1,510.00	4,530.00
2.	चौड़ा नाला का जोहड़	बीसूणी	,,	1,03,170.45	16,294.95	86,875.50
3.	कुंज सागर	कालेड	,,	89,524.50	12,535.00	76,989.50
4.	रामधन की मेड़बन्दी	हमीरपुर	,,	5,216.50	1,304.00	3,912.50
5.	श्रवण गुर्जर की मेड़बन्दी	भुरियावास	,,	5,220.00	2,610.00	2,610.00
6.	जब्बर सागर	हमीरपुर	,,	53,881.50	12,002.70	41,878.80
7.	तरुण आश्रम की मेड़बन्दी	भीकमपुरा	,,	14,009.00	श्रम	14,009.00
8.	तरुण ताल	,,	,,	2,01,034.00	श्रम	2,01,034.00
9.	श्रवण मोची की मेड़बन्दी	थानागाजी	,,	1,431.00	716.00	715.00
10.	एनीकट	थानागाजी	,,	2,510.00	श्रम	2,510.00
11.	जोहड़ी	जयसिंहपुरा	,,	2,580.00	श्रम	2,580.00
12.	श्रवण भोपा की मेड़बन्दी	कोल्याला	,,	2,213.75	1,112.75	1,101.00
13.	भैरु सागर	भांगडोली	,,	2,781.00	1,391.00	1,390.00
14.	मानकचन्द रैगर की मेड़बन्दी	,,	,,	3,232.00	1,616.00	1,616.00
15.	सोहन रैगर की मेड़बन्दी	,,	,,	6,509.50	3,254.75	3,254.75
16.	गूणी मुहंडा वाला जोहड़	कालाखोरा	,,	7,550.00	2,517.00	5,033.00
17.	मांगी लाल का बांध	बसई जोगियान	,,	10,453.00	5,226.50	5,226.50
18.	काना राम की मेड़बन्दी	आगर	,,	18,608.00	9,304.00	9,304.00
19.	कालूराम रैगर की मेड़बन्दी	आगर	,,	4,938.00	2,469.00	2,469.00
20.	रुडा राम की मेड़बन्दी	हमीरपुर	,,	900.00	450.00	450.00
21.	हनुमान सहाय की मेड़बन्दी	भूरियावास	,,	1,299.50	649.75	649.75
22.	अर्जुन की मेड़बन्दी	कोल्याला	,,	1,087.50	543.75	543.75
23.	छाजूराम की मेड़बन्दी	,,	,,	805.00	402.50	402.50
24.	जयराम की मेड़बन्दी	भांवता	,,	2,016.00	1,008.00	1,008.00
25.	हिंगोट वाला खेत की मेड़बन्दी	डाबली	,,	2,922.00	1,461.00	1,461.00

26.	काना राम की मेड़बन्दी	बसई जोगियान	थानागाज़ी	7,595.00	3,798.00	3,797.00
27.	चरी वाली जोहड़ी "प्रथम"	भाँवता	"	4,528.50	1,132.50	3,396.00
28.	चरी वाली जोहड़ "द्वितीय"	"	"	3,820.00	955.00	2,865.00
29.	रामपाल गुर्जर की मेड़बन्दी	कोल्याला	"	1,371.00	685.00	686.00
30.	भैरु गुर्जर की मेड़बन्दी	"	"	1,733.00	866.00	867.00
31.	राम सहाय की मेड़बन्दी	"	"	5,690.00	2,845.00	2,845.00
32.	पापड़ी वाला बांध	बैरावास	"	1,560.00	780.00	780.00
33.	मोटयाला की मेड़बन्दी	भांवता	"	5,747.90	2,873.90	2,874.00
34.	पीली पाटी की मेड़बन्दी	कोल्याला	"	2,496.36	1,248.36	1,248.00
35.	हंसला बांध	आगर	"	34,836.00	17,418.00	17,418.00
36.	धन्ना गुर्जर की मेड़बन्दी	कोल्याला	"	825.00	412.50	412.50
37.	सुलतान की मेड़बन्दी	बंसई जोगियान	"	2,128.00	1,064.00	1,064.00
38.	खर्रा की जोहड़ी	सुरजनपुर	"	5,037.00	1,259.50	3,777.50
39.	चन्दा का जोहड़	टोडी मैजोड़	"	8,111.25	2,027.75	6,083.50
40.	गोदूराम गुर्जर की मेड़बन्दी	पन्नालाल गुर्जर का गुवाड़ा	"	875.00	437.50	437.50
41.	गोदूराम का बांध	"	"	4,034.00	2,017.00	2,017.00
42.	खार वाला बांध	"	"	3,746.00	1,873.00	1,873.00
43.	सांकडा बांध	भाँवता	"	15,953.00	1,603.00	14,350.00
44.	बंजारा वाला जोहड़	मैजोड़	"	75,454.60	18,863.60	56,591.00
45.	कचोली वाला खेत की मेड़बन्दी	नागलबानी	"	2,038.00	1,019.00	1,019.00
46.	भोज्याकाला एनिकट	कालैड	"	12,050.00	3,012.50	9,037.50
47.	जयकिशन शर्मा का बांध	लावा का वास	"	16,940.00	8,493.00	8,447.00
48.	जयकिशन शर्मा का बांध	"	"	13,034.00	6,517.00	6,517.00
49.	जयकिशन शर्मा की मेड़बन्दी	"	"	13,850.00	6,925.00	6,925.00
50.	जयकिशन शर्मा की मेड़बन्दी	"	"	2,814.00	703.00	2,111.00
51.	कुण्डयाल का जोहड़	लोठावास	प्रतापगढ़	7,965.00	1,991.00	5,974.00
52.	चिरुण्डी वाला बांध	जांगरु	लक्ष्मणगढ़	10,527.00	3,617.50	6,909.50

53.	छाज्जूसिंह की मेड़बन्दी I	गोठड़ी	लक्ष्मणगढ	8078.00	4,039.00	4,039.00
54.	छाजूसिंह की मेड़बन्दी II	,,	,,	5,466.00	2,733.00	2,733.00
55.	काजला वाली मेड़बन्दी	गोगेरा	विराटनगर	7,586.00	3,793.00	3,793.00
56.	कजला वाली मेड़बन्दी	,,	,,	8,175.80	4,087.90	4,087.90
57.	हंस वाली मेड़बन्दी	छीतोली	,,	2,886.00	1,443.00	1,443.00
58.	ढन्डा की मेड़बन्दी	,,	,,	14,067.90	3,516.95	10,550.95
59.	कांकड़ वाला जोहड़	सुक्कामोन की ढाणी	,,	12,336.00	3,084.00	9,252.00
60.	बान्दा की ढाणी, अहरा वाला जोहड़	,,	,,	13,010.00	3,253.00	9,757.00
61.	डूंगरी वाला नांका	बयावास	,,	7,604.00	1,904.00	5,700.00
62.	फूटला जोहड़	जयसिंहपुरा	,,	30,211.00	7,553.00	22,658.00
63.	बियास वाला जोहड़	,,	,,	16,156.00	4,039.00	12,117.00
64.	ढोड वाला जोहड़	जादूकावास	,,	9,688.00	5,536.00	4,152.00
65.	बनिया वाला जोहड़	गोगेरा छित्तौली	,,	10,095.00	2,524.00	7,571.00
66.	ठाकुरों वाला जोहड़	छीतोली	,,	6,535.00	1,634.00	4,901.00
67.	सूरज गुर्जर की मेड़बन्दी	जादूकावास	,,	6,606.00	3,303.00	3,303.00
68.	सकूर बलाई की मेड़बन्दी	छीतोली	,,	8,499.00	4,250.00	4,249.00
69.	जयराम गुर्जर की मेड़बन्दी	जादूकावास	,,	4,938.00	2,469.00	2,469.00
70.	बिलुण्डा की मेड़बन्दी	बैयावास	,,	6,754.00	3,377.00	3,377.00
71.	अहीरों का जोहड़	जयसिंहपुरा कोरा की ढाणी	,,	14,443.00	3,611.00	10,832.00
72.	चोड वाला बांध	छीतोली	,,	9,767.00	4,883.50	4,883.50
73.	पाला राम गुर्जर की मेड़बन्दी	जादूकावास	,,	3,042.00	1,521.00	1,521.00
74.	सन्नी चौधरी की जोहड़	बीलवाडी	,,	11,272.00	5,636.00	5,636.00
75.	खग्गा वाला बांध	कुम्भावास	,,	36,710.00	9,178.00	27,532.00
76.	पीली जोहड़ी	विराटनगर	,,	10,359.00	2,590.00	7,769.00
77.	नाई वाली जोहड़ी	छीतोली	,,	11,674.00	2,918.00	8,756.00
78.	हनुमान सैनी का एनीकट	दूधी आमलोदा	,,	18,680.00	9,340.00	9,340.00

79.	बुगला वाली जोहड़ी	छीतोली	विराटनगर	12,429.00	3,107.25	9,321.75
80.	टांडा वाला जोहड़ प्रथम	,,	,,	13,933.00	3,484.00	10,449.00
81.	टांडा वाला जोहड़ द्वितीय	,,	,,	11,438.00	2,859.50	8,578.50
82.	पाटी वाला जोहड़	सूरजमल की ढाणी	,,	19,675.00	4,918.75	14,756.25
83.	बंधा वाली जोहड़ी	पालड़ी	,,	16,668.00	4,167.00	12,501.00
84.	भौरा की मेड़बन्दी	जादूकावास	,,	5,647.00	2,823.00	2,824.00
85.	ग्यारसी लाल की मेड़बन्दी	छीतोली	,,	7,493.00	3,747.00	3,746.00
86.	सुन्दर राम की मेड़बन्दी	,,	,,	5,845.00	2,923.00	2,922.00
87.	छाजू की जोहड़ी	,,	,,	18,684.70	9,342.70	9,342.00
88.	आडानला जोहड़	,,	,,	3,382.00	1,691.00	1,691.00
89.	अर्जन वाली मेड़बन्दी	विराट नगर	,,	2,648.00	1,324.00	1,324.00
90.	गूणी वाला बांध	कुम्भावास	,,	18,788.00	4,697.00	14,091.00
91.	सैतान गुर्जर की मेड़बन्दी	जादूकावास	,,	1,460.00	730.00	730.00
92.	रामचन्दर गुर्जर की मेड़बन्दी	,,	,,	3,680.00	1,840.00	1,840.00
93.	गधफैला की जोहड़ी	धोवती पालडी	,,	1,964.00	491.00	1,473.00
94.	टोडा वाला जोहड़	टोरडा	,,	28,592.00	7,148.00	21,444.00
95.	हीरालाल की मेड़बन्दी	जादूका वासं	,,	2,717.00	1,358.50	1,358.50
96.	बड़ी नदी का एनीकट	कीटला	राजगढ़	50,944.50	17,422.50	33,522.00
97.	खाती वाला जोहड़	कुण्डारोली	,,	8,532.00	2,133.00	6,399.00
98.	पीला पानी का जोहड़	करांट	,,	1,280.00	320.00	960.00
99.	एनीकट	वीरपुरखेड़ा	,,	20,880.00	10,440.00	10,440.00
100.	,,	रामपुरा	,,	20,880.00	10,440.00	10,440.00
101.	सुकला का एनीकट	ढेकडीन	,	18,180.00	9,090.00	9,090.00
102.	घोड़ा घाट का एनीकट	शालूता	,,	3,61,597.25	84,711.00	2,76,886.25
103.	पूर्ण का एनीकट	मोरेडकलां	,,	15,440.00	7,720.00	7,720.00
104.	जोहड़ी	नारायणपुर	,,	3,380.00	845.00	2,535.00
105.	खेली वाला जोहड़	लोसल	,,	11,638.00	2,909.50	8,728.50
106.	राम प्रसाद की जोहड़ी	ककराली रामपुरा	,,	5,380.00	2,690.00	2,690.00

107.	मानसिंह की मेड़बन्दी	लाकांस श्यालूता	राजगढ़	3,361.00	1,681.00	1,680.00
108.	रामरतन की मेड़बन्दी	,,	,,	3,334.00	1,667.00	1,667.00
109.	रामनाथ की मेड़बन्दी	कीटला	,,	1,570.00	785.00	785.00
110.	लाकांस का बांध	लाकांस	,,	1,180.00	295.00	885.00
111.	खोरीन का जोहड़	बैरवावास	,,	19,921.75	4,983.75	14,938.00
112.	नया बांस का जोहड़	बेरली	,,	4,904.00	1,226.00	3,678.00
113.	नरायान सहाय की मेड़बन्दी	तालाब	,,	2,027.00	1,013.50	1,013.50
114.	मुखीराम की मेड़बन्दी	श्यालूता	,,	7,635.00	3,818.00	3,817.00
115.	बद्री गुर्जर की मेड़बन्दी	,,	,,	5,182.60	2,591.30	2,591.30
116.	बद्री गुर्जर की मेड़बन्दी	,,	,,	6,386.00	3,193.00	3,193.00
117.	रामधन गुर्जर की मेड़बन्दी	,,	,,	2,588.00	1,294.00	1,294.00
118.	पिलाडी वाला जोहड़	श्योनगरी	,,	73,150.00	18,275.00	54,875.00
119.	हीरामल का एनिकट	नागलवास..	,,	17,250.00	8,625.00	8,625.00
120.	जयराम का जोहड़	,,	,,	20,288.00	5,072.00	15,216.00
121.	राडा तला की मेड़बन्दी	धोलाराडा	,,	2,950.00	1,475.00	1,475.00
122.	पंचवीर वाला एनीकट	शालूता	,,	66,325.00	16,581.00	49,744.00
123.	मासूणी नदी का एनिकट	,,	,,	2,18,337.00	35,762.00	1,82,575.00
124.	चौहान का जोहड़	मुरलीपुरा	,,	12,684.00	3,171.00	9,513.00
125.	उमराव छावड़ी की मेड़बन्दी	,,	,,	13,292.50	6,649.50	6,643.00
126.	ईशवाना बांध का कुण्ड	ईशवाना	,,	6,133.50	1,533.50	4,600.00
127.	प्रभुराम गुर्जर की मेड़बन्दी	नागलवास	,,	7,178.00	3,599.00	3,579.00
128.	मुन्नीराम की मेड़बन्दी	अकबरपुर	उमरैण	4,240.00	2,120.00	2,120.00
129.	भजनी का बांध	पालपुर (कैरवावास)	,,	11,242.50	5,621.25	5,621.25
130.	बाडीला वाला जोहड़	कालीखोल	,,	20,764.00	5,191.00	15,573.00
131.	कैलाशपुरी वाला जोहड़	गूजरवास	रामगढ़/अलवर	31,328.00	7,832.00	23,496.00
132.	टांका गोकुलदास जी का	टोडली	,,	3,200.00	श्रम	3,200.00
133.	बडवाला की मेड़बन्दी	टोडली	,,	3,360.00	1,680.00	1,680.00
134.	बुढाझींट का जोहड़	करीरिया ऊंटवाल	,,	11,215.00	2,815.00	8,400.00

135.	हजारी की मेड़बन्दी	लाला की ढाणी	बानसूर	1,790.00	895.00	895.00
136.	जगदीश गुर्जर की मेड़बन्दी	मुगलपुर बाबरीया	,,	1,706.00	853.00	853.00
137.	खताली का जोहड़	लाडपुरा	,,	8,721.00	2,180.00	6,541.00
138.	गणेष की मेड़बन्दी	बबैडी	,,	8,198.00	4,099.00	4,099.00
139.	काली घोड़ी वाली जोहड़ी	,,	,,	10,789.00	2,697.00	8,092.00
140.	पीर बाबा का जोहड़	,,	,,	6,288.00	1,572.00	4,716.00
141.	नाला वाली मेड़बन्दी	,,	,,	3,978.00	1,989.00	1,989.00
142.	बल्ला वाली नदी	लापोडिया	दूदू/जयपुर	33,132.00	16,557.00	16,575.00
143.	धन्ना धोबी की नदी	नगर	,,	180.00	श्रम	180.00
144.	रामचन्दर वाली नदी	उरसैवा	,,	22,389.80	11,194.90	11,194.90
145.	पालोडिया का बांध	लापोडिया	,,	52,825.50	26,811.50	26,014.00
146.	धन्ना लाल का नाड़ा	,,	,,	3,359.00	1,679.50	1,679.50
147.	नारायण का बांध	धाँघोली	,,	25,308.25	13,260.25	12,048.00
148.	धाघोली की नदी	,,	,,	3,241.50	1,431.00	1,810.50
149.	गोपाल सागर	नगर	मालपुरा	1,45,380.00	36,126.50	1,09,253.50
150.	धोबियों की नदी	,,	,,	10,425.00	5,212.50	5,212.50
151.	भगवानपुरा का बांध	चाकसू	चाकसू	24,002.00	6,006.00	17,996.00
152.	दलपतपुरा का तालाब	दलपतपुरा	,,	18,898.00	4,252.00	14,646.00
153.	खार वाला की जोहड़ी	चरतपुरा	जमुवारामगढ़	7,866.67	1,966.67	5,900.00
154.	कैननवास का जोहड़	कैननवास	,,	13,499.00	3,375.00	10,124.00
155.	लादिया का बांध	भानपुर कला	जमुवारामगढ़	13,700.00	3,425.00	10,275.00
156.	तिलोकपुरा का बांध	तिलोकपुरा	,,	43,096.00	10,774.00	32,322.00
157.	रामजीलाल की मेड़बन्दी	थली	,,	11,476.00	5,738.00	5,738.00
158.	चौपड़ा वाली की मेड़बन्दी	चान्दपुरा	,,	1,240.50	620.25	620.25
159.	जीणमाता की तलाई	रामजीपुरा	,,	9,694.36	2,423.36	7,271.00
160.	गोपालशर्मा की मेड़बन्दी	बामनवाड़ी	,,	16,274.25	8,137.25	8,137.00
161.	गोपाल गुर्जर की मेड़बन्दी	,,	,,	8,100.00	4,050.00	4,050.00
162.	श्री किशन की मेड़बन्दी	बलौढ	,,	2,804.00	1,402.00	1,402.00

163.	रायसर का जोहड़	रायसर	जमुवारामगढ़	4,114.00	2,057.00	2,057.00
164.	गिरधारी महाराज का बांध	,,	,,	9,104.00	2,276.00	6,828.00
165.	धोकल पटेल का जोहड़	बाग की ढाणी	,,	7,170.00	3,585.00	3,585.00
166.	बेद वाला बांध	नीमी	,,	2,16,751.00	1,08,375.50	1,08,375.50
167.	नाल का एनिकट	नाल	उदयपुर	7,04,817.00	14,196.00	6,90,621.00
168.	नाल वाला की नाला बन्डिंग	पीलवा	दौसा	6,839.75	3,420.75	3,419.00
169.	भोली वाली खेत की मेड़बन्दी	,,	,,	4,040.00	2,020.00	2,020.00
170.	नाला वाला खेत की नाला बन्डिंग	तीतरवाड़ा	,,	6,889.80	3,444.90	3,444.90
171.	टिब्बा वाले खेत की नाला बन्डिंग	पीलवा	,,	13,158.00	6,579.00	6,579.00
172.	बांस कुईया की मेड़बन्दी	बांसकुआ	,,	397.00	श्रम	397.00
173.	ज्ञारसी वाले खेत की नाला बन्डिंग	तीतरवाड़ा	दौसा	14,179.00	7,090.00	7,089.00
174.	भोलाराम की नाला बन्डिंग	रामबास	,,	3,520.00	1,760.00	1,760.00
175.	काला दाबडा की तलाई	नया डेरा	,,	12,858.50	2,957.50	9,901.00
176.	बडाका जोहड़	गुढाआशिफपुरा	,,	14,592.00	3,648.00	10,944.00
177.	मानसराई की जोहड़ी	दिवाचली	,,	23,999.00	8,719.00	15,280.00
178.	नाला का जोहड़	पाडला	,,	33,131.00	8,283.00	24,848.00
179.	तिबारा वाली जोहड़ी	,,	,,	21,232.00	5,332.00	15,900.00
180.	विश्राम का जोहड़	गुल्लाना	,,	9,247.00	2,312.00	6,935.00
181.	गोलान वाला बांध	,,	,,	16,536.00	4,136.00	12,400.00
182.	गांव की तलाई	कुकरवाड़ी	,,	12,951.00	3,251.00	9,700.00
183.	गोचर वाला जोहड़	सबडावली	,,	25,164.00	6,291.00	18,873.00
184.	चन्दर मीणा की मेड़बन्दी	बसवा	,,	5,671.00	2,835.50	2,835.50
185.	जड़का तलाई	धानपुर	,,	19,793.00	4,949.00	14,844.00
186.	गोकुल मीणा की मेड़बन्दी	धपावन धमवास	,,	3,022.00	1,511.00	1,511.00
187.	रामस्वरूप की मेड़बन्दी	झाझीरामपुरा	,,	13,647.00	6,823.00	6,824.00

188.	सड़क के पास वाली जोहड़ी	लीलोज	दौसा	4,725.00	1,181.25	3,543.75
189.	तेलिया वाला जोहड़	सबडावली पीरपाली	,,	14,739.00	4,913.00	9,826.00
190.	फुटाला जोहड़	,,	,,	13,241.00	3,310.00	9,931.00
191.	रामसिंह की मेड़बन्दी	,,	,,	6,180.00	3,090.00	3,090.00
192.	राधा किशन की जोहड़ी	,,	दौसा	5,314.00	2,657.00	2,657.00
193.	बृजलाल की मेड़बन्दी	बनापुरा	,,	3,446.00	1,723.00	1,723.00
194.	हनुमान की नाला बन्डिंग	पीलवा	,,	15,342.00	7,671.00	7,671.00
195.	जयराम की नाला बन्डिंग	गादडवाडा	,,	4,784.00	2,392.00	2,392.00
196.	जयनारायण की मेड़बन्दी	गिरधरपुरा	,,	7,109.00	1,777.00	5,332.00
197.	प्रभुसिंह की नाला बन्डिंग	पीलवा	,,	2,640.00	1,320.00	1,320.00
198.	किशन की नाला बन्डिंग	कोलेसर	,,	3,655.00	1,828.00	1,827.00
199.	नाथूराम की नाला बन्डिंग	पीलवा	,,	13,734.00	6,867.00	6,867.00
200.	उमेश की नाला बन्डिंग	गागरवाड़ा	,,	23,370.00	11,685.00	11,685.00
201.	कालू की मेड़बन्दी	डिग्गों	,,	7,026.00	3,513.00	3,513.00
202.	कंचन माली की मेड़बन्दी	पीलवा	,,	2,486.00	1,243.00	1,243.00
203.	हरबक्श की मेड़बन्दी	कोलेसर	,,	6,854.00	3,427.00	3,427.00
204.	भंवरसिंह की नाला बन्डिंग	पीलवा	,,	4,142.00	2,071.00	2,071.00
205.	सीताराम की नाला बन्डिंग	,,	,,	24,627.00	12,314.00	12,313.00
206.	हजारीलाल की नाला बन्डिंग	तीतरवाड़ा	,,	7,320.00	3,660.00	3,660.00
207.	हरफूल की मेड़बन्दी	,,	,,	9,120.00	4,560.00	4,560.00
208.	गिर्राज का बांध	रामवास	,,	7,708.00	3,854.00	3,854.00
209.	रामफूल की मेड़बन्दी	तीतरवाड़ा	,,	11,488.00	5,744.00	5,744.00
210.	जगन्नाथ की मेड़बन्दी	पीलवा	,,	6,244.00	3,122.00	3,122.00
211.	भगवान सहाय	,,	,,	9,218.00	4,609.00	4,609.00
212.	प्रहलाद की नाला बन्डिंग	,,	दौसा	4,216.00	2,108.00	2,108.00
213.	श्याम कुण्ड	सहेड़ा	भरतपुर	36,410.00	5,750.00	30,660.00
214.	लादियां का बांध	दमदमा (सरेटा)	तिजारा	15,045.75	3,761.75	11,284.00
215.	असवार वाली गुल का बांध	,,	,,	4,520.66	1,130.16	3,390.50

216.	महामईया वाला बांध	ढाकपुरी	तिजारा	43,204.00	10,801.00	32,403.00
217.	बैरवा का तालाब	भांगडोली	थानागाजी	5,000.00	1,250.00	3,750.00
218.	खटीकों की जोहड़ी	थली	जमुवारामगढ़	21,654.67	5,413.67	16,241.00
219.	छीतर की मेड़बन्दी	कोल्याळा	थानागाजी	20,292.00	10,146.00	10,146.00
220.	बैरवा समाज का तालाब भाडोली नयाडेरा	अमावरा	बामनवास, सवाईमाधोपुर	5,000.00	1,250.00	3,750.00
221.	प्रेमचन्द्र, चिरंजीलाल की मेड़बन्दी	गंडाल	नादोती	19,334.00	9,667.00	9,667.00
222.	रामदयाल कजोड़ की मेड़बन्दी	,,	नादोती	17,574.00	8,787.00	8,787.00
223.	रेवड़ बैरवा की मेड़बन्दी	अमावरा	बामनवास	2,200.00	1,100.00	1,100.00
224.	काना जी की मेड़बन्दी	अमावरा	,,	1,920.00	960.00	960.00
225.	हंसला का तालाब	खोयली	,,	9,010.50	4,505.00	4,505.50
226.	राधा किशन गूजर की मेड़बन्दी	रवासा	,,	5,056.00	2,528.00	2,528.00
227.	रामकरण की मेड़बन्दी	गढ़मोरा	,,	8,378.00	1,504.00	6,874.00
228.	कोज्याला का तालाब	सराय	,,	21,526.25	5,439.00	16,087.25
229.	टांका भाटाला	गढ़मोरा	,,	11,100.00	5,550.00	5,550.00
230.	टांका कुइया	भाटाला	,,	7,920.00	1,980.00	5,940.00
231.	टांका नरसिंहपुरा	नरसिंहपुरा	,,	4,500.00	2,250.00	2,250.00
232.	जोबनेर माता का कुण्ड	अमावरा	,,	7,700.00	3,850.00	3,850.00
233.	जयप्रकाश का टांका	गढ़मोरा	,,	2,250.00	1,125.00	1,125.00
234.	सुमेर सिंह का टांका	गढ़मोरा	,,	11,680.00	5,840.00	5,840.00
235.	भगत वाला तालाब	सराय-सकीपुरा	,,	4,900.00	2,450.00	2,450.00
236.	गिर्राज की मेड़बन्दी	रिवाली	,,	4,748.00	2,374.00	2,374.00
237.	सुखराम की मेड़बन्दी	सराय	,,	920.00	460.00	460.00
238.	फैली राम की मेड़बन्दी	रवासा	,,	4140.00	2,070.00	2,070.00
239.	इन्द्रा/फैलीराम	गुठला	,,	4,214.00	2,107.00	2,107.00
240.	मदनलाल वंशी की मेड़बन्दी	,,	,,	4,118.00	2,059.00	2,059.00
241.	रामखिलारी की मेड़बन्दी	सराय	,,	4,230.00	2,115.00	2,115.00
242.	भंवर सिंह की मेड़बन्दी	रिवाली	,,	3,894.00	1,947.00	1,947.00

243.	जयराम मीणा	कुआं गांव	बामनवास	810.00	405.00	405.00
244.	भैंरुजी की तलाई	बंधावल-सफीपुरा	,,	12,420.00	6,210.00	6,210.00
245.	नारायण पटेल की मेड़बन्दी	रुमाडी, गढ़मोरा	,,	2,628.00	1,314.00	1,314.00
246.	बाबूलाल शर्मा	नई बस्ती	,,	1,098.00	549.00	549.00
247.	चतुर्भुज की तलाई	लांक	,,	33,134.00	16,567.00	16,567.00
248.	रामरूप की मेड़बन्दी	ककराला	,,	8,400.00	4,200.00	4,200.00
249.	भैंसला का डेरा	अमावरा	,,	31,346.00	15,673.00	15,673.00
250.	आश्रम रिवाली	रिवाली	,,	11,363.50	श्रम	11,363.50
251.	कान सिंह की मेड़बन्दी	नाउड-रिवाली	,,	8,015.30	4,007.80	4,007.50
252.	रामविकास की मेड़बन्दी	नई बस्ती	,,	2,632.00	1,316.00	1,316.00
253.	टांका गढ़मोरा	गढ़मोरा	,,	33,491.00	16,745.50	16,745.50
254.	बुद्धा मीणा	कुआं गांव	,,	2,000.00	1,000.00	1,000.00
255.	रेवड़ मीणा	,,	,,	3,073.45	1,536.95	1,536.50
256.	चरागाह का तालाब	राणीला	,,	9,000.00	4,500.00	4,500.00
257.	चमार वाला बांध	भांगडोली	,,	30,006.00	15,003.00	15,003.00
258.	जड़ की तलाई थानपुर	लालसोट दौसा	,,	19,792.00	4,948.00	14,844.00
259.	मूलचन्द्र गुर्जर की मेड़बन्दी	गुठला लिवाली	,,	3,666.00	1,833.00	1,833.00
260.	चन्द्र मीणा गुर्जर की मेड़बन्दी	बारु कुंआ	,,	11,460.00	5,730.00	5,730.00
261.	रूढ़ा की तलाई	बानोर	,,	7,150.00	1,788.00	5,362.00
262.	फूलचन्द की मेड़बन्दी	कुआं गांव	,,	2,851.00	1,425.50	1,425.50
263.	भैसला का टांका	गढ़मोरा	,,	28,046.00	14,023.00	14,023.00
264.	नर्वदा कुण्ड	रिवाली	,,	13,520.00	2,390.00	11,130.00
265.	बनेसिंह की तलाई	नाउड	,,	7,536.00	3,768.00	3,768.00
266.	छोटा बांध की तलाई	गुर्जर कोलोता	,,	33,134.90	8,283.90	24,851.00
267.	भूरा रुड़ा की तलाई	बाडोर	,,	14,355.00	3,589.00	10,766.00
268.	कोलोता, मीना गूजर	कोलोता	,,	7,500.00	1,875.00	5,625.00
269.	रामकुमार का एनीकट	हैदरान का पुरा	,,	7,700.00	3,850.00	3,850.00
270.	टांका बंधा वाला	,,	,,	16,070.00	8,035.00	8,035.00

271.	टांका मन भावन	पहाड़ी ऊपर, मोरा	बामनवास	29,500.00	14,750.00	14,750.00
272.	महेश शर्मा की मेड़बन्दी	रिवाली	,,	4,100.00	2,050.00	2,050.00
273.	रामेत का टांका	हैदरान का डैरा	,,	27,240.00	13,620.00	13,620.00
274.	टांका अमावरा	अमावरा	,,	27,864.00	13,932.00	13,932.00
275.	रामरूप का एनीकट	ककराला	,,	2,370.00	1,185.00	1,185.00
276.	पहाड़ी उपर का टांका	खरकाली	,,	13,280.00	6,640.00	6,640.00
277.	कैलाश का टांका	गढ़मोरा	,,	4,140.00	2,070.00	2,070.00
278.	गब्दू गूजर का टांका	गढ़मोरा	,,	17,040.00	8,520.00	8,520.00
279.	सुखचन्द्र का टांका	पहाड़ी ऊपर	,,	17,380.00	8,690.00	8,690.00
280.	ईसरिया छावड़ी	,,	,,	14,670.00	7,335.00	7,335.00
281.	हंसा गूजर का टांका	गढ़मोरा	,,	21,660.00	10,830.00	10,830.00
282.	देव करण गूजर का टांका	,,	,,	3,250.00	1,625.00	1,625.00
283.	कैलाश का टांका	नया डेरा	,,	13,790.00	6,895.00	6,895.00
284.	गंगो लाई तलाई	धोला दांता	,,	27,966.00	13,983.00	13,983.00
285.	रमेश चन्द्र/शंकर चंद का ताल	सपीपुरा	,,	53,962.00	26,981.00	26,981.00
286.	बने सिंह गूजर की मेड़बन्दी	नाउड	,,	2,110.00	1,055.00	1,055.00
287.	करतार का टांका	नांदौती	नांदौती	10,770.00	5,385.00	5,385.00
288.	टांका घाटी	,,	,,	13,130.00	6,565.00	6,565.00
ऑक्सफेम						
289.	छोटू राम खटीक की मेड़बन्दी	थली	जमुवारामगढ़	11,245.70	5,622.70	5,623.00
290.	भोरां कुमावत की मेड़बन्दी	थली	,,	4,769.00	2,384.50	2,384.50
291.	राड़ी वाले खेत की मेड़बन्दी	थली	,,	4,639.00	2,319.50	2,319.50
292.	प्रभुदयाल की मेड़बन्दी	रासाला	,,	1,563.00	781.50	781.50
293.	रामजी लाल शर्मा की मेड़बन्दी	थली	,,	11,476.00	5,738.00	5,738.00
294.	डाबड़ी वाले खेत की मेड़बन्दी	बलोढ	,,	8,596.00	4,298.00	4,298.00
295.	चान्दी वाले खेत की मेड़बन्दी	थली	,,	3,894.00	1,947.00	1,947.00
296.	भैरव राम मीणा की मेड़बन्दी	श्रीनगर	,,	1,394.00	697.00	697.00

297.	नाली वाला मागी लाल के खेत की मेड़बन्दी	ठेकला की ढाणी	बस्सी	3,676.00	1,838.00	1,838.00
298.	अर्जुन मीणा की मेड़बन्दी I	श्रीनगर	जमुवारामगढ़	4,157.00	2,079.00	2,078.00
299.	अर्जुन मीणा की मेड़बन्दी II	,,	,,	6,041.00	3,020.50	3,020.50
300.	प्रभात मीणा की मेड़बन्दी	,,	,,	4,258.00	2,129.00	2,129.00
301.	भगवान सहाय मीणा का एनिकट	चतरपुरा	,,	6,000.00	3,00.000	3,000.00
302.	गोपाल शर्मा का एनिकट	बामणबाटी	,,	14,200.00	7,100.00	7,100.00
303.	भगवान सहाय गोस्वामी	थली	,,	10,480.00	5,240.00	5,240.00
304.	पीवल वाले खेत का बांध	थली	ज. रामगढ़	17,250.00	8,625.00	8,625.00
305.	नाली नला का बांध	चतरपुरा	डागरवाड़ा, ज.रा.	7,300.00	3,650.00	3,650.00
306.	नीमला बांध	नीमला	ज. रामगढ़	8,000.00	2,000.00	6,000.00
307.	नाहरी नाला का बांध	थली	,,	1,787.00	893.50	893.50
308.	पटेल वाला बांध	नाभावाला	,,	18,099.00	9,049.50	9,049.50
309.	डूगल तला का बांध	थली	,,	5,668.00	2,834.00	2,834.00
310.	तुलसी वाला बांध	थली	,,	9,314.60	4,657.60	4,657.00
311.	कांकड़ वाला बांध	चलपली	,,	16,934.00	8,467.00	8,467.00
312.	कांकट वाला बांध	श्रीनगर	,,	6,518.25	3,259.25	3,259.00
313.	रामप्रताप का बांध	सहायपुर	,,	14,138.00	7,069.00	7,069.00
314.	दुखभंजन का तालाब	थली	,,	47,169.00	11,793.00	35,376.00
315.	खटीकों का जोहड़	थली	,,	21,654.80	5,413.80	16,241.00
316.	साघला का जोहड़	डगोता	,,	6,490.00	1,622.50	4,867.50
317.	स्कूल पाछेवाली जोहड़	श्रीनगर	,,	31,876.00	7,969.00	23,907.00
318.	नसरी वाला जोहड़	रायसर	,,	19,500.00	4,875.00	14,625.00
319.	बाबूलाल का जोहड़	डोगोता	,,	7,504.00	1,876.00	5,628.00
320.	श्रीनगर की तलाई	श्रीनगर	,,	6,971.00	1,743.00	5,228.00
सीडा, 1 अप्रेल 97 से 30 सितम्बर 97 तक						
321.	घाटीवाला बांध	पथरोड़ा	अलवर	12,314.86	3,228.86	9,086.00

322.	घैड़ावाली नाली का बांध	पथरोड़ा	अलवर	600.00	300.00	300.00
323.	तिसमीवाला जोहड़	अधीरा	बानसूर	6,183.75	1,545.75	4,638.00
324.	बास का माला का जोहड़	धामला का बास	”	3,227.84	804.84	2,423.00
325.	सईदी की तकियावाला जोहड़	कंजोता	लक्ष्मणगढ़	77,517.00	19,417.00	58,100.00
326.	तकियावाला जोहड़	बजाला	अलवर	29,214.00	7,314.00	21,900.00
327.	स्कूल पीछे माधव का जोहड़	मोहब्बतपुर	”	12,027.75	3,027.75	9,000.00
328.	गोकुलदास उत्तर दिशा का जोहड़	टोडली	”	23,352.79	5,852.79	17,500.00
329.	लालदास जी महाराज का टांका	टोडली	”	13,050.00	-	13,050.00
330.	डोला वाला जोहड़	खारेड़ा	”	18,975.00	612.00	18,363.00
331.	नाथू माली की जोहड़ी	खोरा	लक्ष्मणगढ़	39,222.00	9,805.00	29,417.00
332.	राम किशन की नई ठोड का बांध	कालीखोल	अलवर	7,171.50	3,585.75	3,585.75
333.	गादड़ी वाला जोहड़	जाँगरु	लक्ष्मणगढ़	39,128.25	9,782.25	29,346.00
334.	काई का जोहड़	भूल्यावाला खोह	”	24,292.10	6,074.10	18,218.00
335.	ककराला जोहड़	खेड़ा सारंगपुरी	”	49,490.00	12,372.00	37,118.00
336.	बलाईवाला जोहड़	मोरोड़ी	बानसूर	16,045.50	4,011.50	12,034.00
337.	रामतलाई	बबेडी	”	32,705.40	8,176.40	24,529.00
338.	बाबाजी का फूटा जोहड़	बास दयाल	”	6,250.00	-	6,250.00
339.	सड़क वाला जोहड़	मूगलपुर	”	5,652.00	1,413.00	4,239.00
340.	जसवन्त सिंह की मेड़बन्दी	बबेड़ी	”	9,234.50	4,617.50	4,617.00
341.	चोथमल गूजर की मेड़बन्दी	कोठी चतरपुरा	थानागाजी	3,236.00	1,618.00	1,618.00
342.	गणपत गूजर की मेड़बन्दी	दुहारमाला	”	3,236.50	1,618.25	1,618.25
343.	रामजीलाल गूजर की मेड़बन्दी	कालीखोह	”	3,455.00	1,728.00	1,727.00
344.	सूण्डाराम गूजर की मेड़बन्दी	दुहारमाला	”	3,354.00	1,677.00	1,677.00
345.	कुरन्दी का जोहड़	सहाड़ी	लक्ष्मणगढ़	16,154.81	4,038.81	12,116.00
346.	स्कूलवाली जोहड़ी	बिंजारी	राजगढ़	25,364.75	6,341.25	19,023.50
347.	सिगरा का जोहड़	रामगढ़	अलवर	7,155.00	1,789.00	5,366.00

348.	दुल्या की ढाब जोहड़	मालावाली खोरा	लक्ष्मणगढ़	64,117.80	16,029.80	48,088.00
349.	कछावा का जोहड़	अकबरपुर	उमरैण	46,240.75	11,546.75	34,694.00
350.	काला खोर	दुहार चौगान	थानागाजी	5,663.00	1,416.00	4,247.00
351.	नाथू की वाला जोहड़	खोरा	लक्ष्मणगढ़	1,790.50	447.50	1,343.00
352.	ढीमाँ वाली जोहड़ी	बीलूंडा	अलवर	54,375.50	13,593.50	40,782.00
353.	चौथमल का एनिकट	कोठिया	नारायणपुर	3,175.00	-	3,175.00
354.	पाली बनिया का बड़ा जोहड़	मुगलपुर की ढाणी	बानसूर	976.00	244.00	732.00
355.	जयदयाल की मेड़बन्दी	बबेडी	,,	7,709.00	3,854.50	3,854.50
356.	धोकाँवाला खेत की मेड़बन्दी	बबेडी	,,	5,733.00	2,866.50	2,866.50
357.	मुगलपुरा का जोहड़	बबरिया	,,	8,736.75	2,188.75	6,548.00
358.	सतीमाई का जोहड़	सताना (नवलपुरा)	अलवर	10,186.00	2,546.00	7,640.00
359.	फत्ताबाबा का बन्ध	मालाखेड़ा	,,	26,854.00	6,713.00	20,141.00
360.	ढण्ड वाला जोहड़	नाहर खोरा	लक्ष्मणगढ़	62,799.00	15,700.00	47,099.00
361.	सेढवाला जोहड़	नागल सहेड़ी	,,	28,243.00	7,061.00	21,182.00
362.	कुटीवाला जोहड़	सारंगपुर	,,	42,160.00	10,540.00	31,620.00
363.	बहणावाला जोहड़	खाटेड़ा	अलवर	9,067.25	2,297.25	6,770.00
364.	बड़वाली जोहड़ी	खाटेड़ा	,,	1,951.00	488.00	1,463.00
365.	बीरपुर के खेत का बांध	नागल खूँटेटा	,,	16,378.60	8,189.60	8,189.00
366.	मंगल बांध	टोडली	,,	1,48,405.00	3,7101.00	1,11,304.00
367.	शिवनारायण का बांध	बबेडी	बानसूर	23,356.00	11,678.00	11,678.00
368.	धनीराम के खेत की मेड़बन्दी	बबेडी	,,	5,138.76	2,569.38	2,569.38
369.	रोहतास की मेड़बन्दी	बबेडी	,,	4,478.00	2,239.00	2,239.00
370.	श्रवण के खेत की मेड़बन्दी	सिया का वास	,,	2,756.00	1,378.00	1,378.00
371.	गणेश गुर्जर की मेड़बन्दी	घाटीतला	,,	7,630.00	3,815.00	3,815.00
372.	जयनारायण की मेड़बन्दी	घाटीतला	,,	5,956.00	2,978.00	2,978.00
373.	सीताराम की मेड़बन्दी	घाटीतला	,,	10,626.00	5,313.00	5,313.00
374.	जयकिशन की मेड़बन्दी	घाटीतला	,,	5,069.00	2,534.50	2,534.50
375.	मंगतूराम की मेड़बन्दी	घाटीतला	,,	6,670.00	3,335.00	3,335.00

376.	कमलाराम की मेड़बन्दी	घाटीतला	बानसूर	9,376.50	4,688.25	4,688.25
377.	मुनीराम की मेड़बन्दी	,,	,,	11,360.00	5,680.00	5,680.00
378.	बीरपुरवाली जोहड़ी	द्वारकपुर	लक्ष्मणगढ़	44,817.50	11,204.50	33,613.00
379.	मामनसिंह की मेड़बन्दी	,,	,,	2,876.00	1,438.00	1,438.00
380.	छाजू की मेड़बन्दी	गोठडी	,,	11,389.00	5,694.50	5,694.50
381.	कैलशपुरी का जोहड़	गूजर वास	,,	27,429.30	6,857.30	20,572.00
382.	हरीसिंह की मेड़बन्दी	,,	,,	4,874.00	2,437.00	2,437.00
383.	बाबूसिंह की मेड़बन्दी	खरखडा	,,	3,027.00	1,514.00	1,513.00
384.	नयेघाट वाला जोहड़	चौमू	अलवर	25,838.20	6,459.30	19,378.90
385.	अयूब खाँ का बांध	घाटा का वास	,,	33,514.80	16,757.80	16,757.00
386.	जुम्मा की मेड़बन्दी	पथरोडा	,,	6,206.00	3,103.00	3,103.00
387.	भुट्टा खाँ की मेड़बन्दी	,,	,,	12,665.80	6,333.80	6,332.00
388.	जहूर खाँ की मेड़बन्दी	,,	,,	2,808.00	1,404.00	1,404.00
389.	रहमान की मेड़बन्दी	,,	,,	7,817.00	3,909.00	3,908.00
390.	मुहर खाँ की मेड़बन्दी	,,	,,	4,547.50	2,274.50	2,273.00
391.	गोपाल बदरी की मेड़बन्दी	बलेटा	,,	4,246.00	2,123.00	2,123.00
392.	बजरंग सिंह की मेड़बन्दी	भडकोल	,,	5,846.00	2,923.00	2,923.00
393.	भगीरथ की मेड़बन्दी	मीरापुर (माची)	बानसूर	7,762.00	3,881.00	3,881.00
394.	रामबीर की मेड़बन्दी	खरखड़ा	मालाखेडा	4,346.00	2,173.00	2,173.00
395.	बाबू की मेड़बन्दी	खूँटेटा	रामगढ़	3,842.00	1,921.00	1,921.00
396.	रामलाल की मेड़बन्दी	,,	,,	1,424.00	712.00	712.00
397.	बिसम्बर की मेड़बन्दी	,,	,,	7,202.00	3,601.00	3,601.00
398.	बिसम्बर की मेड़बन्दी	,,	,,	8,654.00	2,163.00	6,491.00
399.	बाँसीवाली खो का जोहड़	कैरवावाल	मालाखेडा	17,808.00	4,452.00	13,356.00
400.	घाटीवाला नया जोहड़	चौमू	अलवर	3,280.00	1,640.00	1,640.00
401.	नबी खाँ की मेड़बन्दी	पथरोडा	,,	1,005.20	502.70	502.50
402.	नबी खॉ की मेंडबन्दी	,,	,,	2,555.70	1,277.85	1,277.85
403.	ईशब खॉ की मेड़बन्दी	पथरोडा	,,	1,759.00	879.50	879.50

404.	नबी खॉं की मेड़बन्दी	पथरोडा	अलवर	3,917.00	1,958.00	1,959.00
405.	पूरण गुर्जर की मेड़बन्दी	पालपुर	”	2,496.50	1,248.50	1,248.00
406.	उदयराम की मेड़बन्दी	कैरवावाल	”	5,114.00	2,557.00	2,557.00
407.	प्रभु चेची की मेड़बन्दी	पालपुर	”	2,404.00	1,202.00	1,202.00
408.	हरलाल की मेड़बन्दी	घाटी तला	”	7,064.00	3,532.00	3,532.00
409.	हरलाल की मेड़बन्दी	सियाकाबास	”	6,476.00	3,238.00	3,238.00
410.	भम्भूराम की मेड़बन्दी	बबेडी	बानसूर	2,926.43	1,463.43	1,463.00
411.	गणपत की मेड़बन्दी	हरसोरा	”	2648.00	1,324.00	1,324.00
412.	गणपत की मेड़बन्दी	हरसोरा	”	1,343.00	671.50	671.50
413.	राधेश्याम की मेड़बन्दी	हरसोरा	”	2,368.00	1,184.00	1,184.00
414.	छीतरमल की मेड़बन्दी	बबेडी	”	2,478.70	1,239.35	1,239.35
415.	मातादीन की मेड़बन्दी	बबेडी	”	2,427.50	1,213.75	1,213.75
416.	मंगलपुर की मेड़बन्दी	बाबरिया	”	4,888.00	2,444.00	2,444.00
417.	देवकरण की मेड़बन्दी	बुर्जापाली	”	3,228.00	1,614.00	1,614.00
418.	ओमप्रकाश की मेड़बन्दी	ज्ञानपुरा	”	3,253.00	1,627.00	1,626.00
419.	शम्भूदयाल की मेड़बन्दी	ज्ञानपुरा	”	6,386.00	3,193.00	3,193.00
420.	लालाराम की मेड़बन्दी	ज्ञानपुरा	”	9,496.00	4,748.00	4,748.00
421.	शीशराम की मेड़बन्दी	ज्ञानपुरा	”	7,247.00	3,624.00	3,623.00
422.	गणेश की मेड़बन्दी	बबेडी	”	12,036.00	6,018.00	6,018.00
423.	गुरुदयाल की मेड़बन्दी	बबेडी	”	27,594.00	13,797.00	13,797.00
424.	विक्रमसिंह की मेड़बन्दी	नागल	”	2,305.00	1,153.00	1,152.00
425.	चन्दाराम की मेड़बन्दी	बबेडी	”	1,173.50	286.75	886.75
426.	लादू की मेड़बन्दी	बडा कुआँ की ढाणी	”	1,634.00	817.00	817.00
427.	दीप सागर	ढहलावास	उमरैण	16,378.00	4,094.00	12,284.00
428.	कटारिया का जोहड़	कटारिया का बास	बानसूर	20,804.00	5,126.00	15,678.00
429.	किशनलाल की मेड़बन्दी	टोडली	अलवर	1,086.00	543.00	543.00
430.	हरीराम की मेड़बन्दी	कालाखोरा	”	2,756.16	1,378.16	1,378.00
431.	मुकुन्दपुरा की मेड़बन्दी	चौहलकी	बानसूर	9,833.89	4,916.89	4,917.00

432.	टोडली का बांध	मदारपुरा	बानसूर	81,233.60	20,308.60	60,925.00
433.	चामुन्डा वाला जोहड़	रुपनागल	लक्ष्मणगढ़	15,665.20	3,917.20	11,748.00
434.	मातादीन की मेड़बन्दी	बबेडी	बानसूर	3,836.00	1,918.00	1,918.00
435.	रामचरण की मेड़बन्दी	बबेडी	”	11,800.00	5,900.00	5,900.00
436.	रामतलाई जोहड़	बबेडी	”	12,293.00	3,073.00	9,220.00
जी.टी.जैड						
437.	बल्लू पुरा का जोहड़	बल्लू पुरा	रैणी	6,570.00	1,642.50	4,927.50
438.	रामसुखा ठेकडी बांध	ठेकडीन डेरा	”	12,704.00	6,352.00	6,352.00
439.	जगदीश मीणा का एनीकट	”	”	24,767.50	3,500.00	21,267.50
440.	चान्दो वाला जोहड़	पाडा	”	16,592.00	4,147.00	12,445.00
441.	नाथो का जोहड़	माचेडी	”	10,513.00	2,628.00	7,885.00
442.	बालाजी का जोहड़	नागल पानीनास	”	6,531.00	1,633.00	4,898.00
443.	रास्ते का जोहड़ (बहम्डी का जोहड़)	बिहाड़ी	”	14,658.00	3,664.00	10,994.00
444.	गांव का जोहड़	मुरलीवास	”	30,546.00	7,637.00	22,909.00
445.	स्कूल की जोहड़ी	ईशवाना	”	3,561.00	890.00	2,671.00
446.	राधेश्याम मीणा का एनीकट	ठेकडीन	”	10,240.00	5,120.00	5,120.00
447.	राधेमीणा की मेड़बन्दी	”	”	22,236.00	13,120.00	9,116.00
448.	सुकल्या मीणा का एनीकट	”	”	33,000.00	22,000.00	11,000.00
449.	कल्ला बाबा का जोहड़	डगडगा	”	15,595.00	3,899.00	11,696.00
450.	भूरा सिद्ध का बांध	माचेड़ी	”	8,257.00	1,265.00	6,992.00
451.	स्कूल की तलाई	पाडली	”	11,902.00	2,976.00	8,926.00
452.	शमसान का जोहड़	पाडा	”	11,785.00	2,946.00	8,839.00
453.	पूर्णसिंह का एनीकट	मोरेडकलाँ रैणी	”	5,489.00	2,744.00	2,745.00
454.	गोचर बेड़ा का जोहड़	गुढा आफिसपुरा	”	59,334.00	19,334.00	40,000.00
455.	मीठा लाल खेत का बांध	गोठड़ा	”	8,952.00	4,476.00	4,476.00
आई.सी.						
456.	बड़ा जोहड़ माला	दुहार माला	थानागाजी	3,720.00	930.00	2,790.00

457.	फूटाला जोहड़	दुहार माला	थानागाजी	8,310.00	2,077.50	6,232.50
458.	टांका	”	”	2,400.00	600.00	1,800.00
459.	राडा वाला जोहड़	”	”	2,580.00	645.00	1,935.00
460.	भूराला बांध एनीकट	भूटाला	”	4,670.00	1,960.00	2,710.00
461.	एकला घोक बाला बांध	माण्डलवास	राजगढ़	10,420.64	5,210.64	5,210.00
462.	खैणीबूरा बांध	लोसल	”	1,200.00	300.00	900.00
463.	ग्यारसी लाल का बॉध	कालैड	थानागाजी	5,008.00	2,504.00	2,504.00
464.	भोज्या काला का एनीकट	”	”	7,740.00	1,400.00	6,340.00
465.	मूलचन्द गुर्जर के खेत की मेड़बन्दी	”	5,564.00	2,782.00	2,782.00	
466.	भोडाला का जोहड़ नटाटा		”	2,587.00	647.00	1,940.00
467.	रामकिशोर मीणा का एनीकट	बीगोता	राजगढ़	3,068.00	1,534.00	1,534.00
468.	मोटाली जोहड़ी	बीरपुर बीगोता	”	3,765.00	941.00	2,824.00
469.	भोरावाली जोहड़ी	बीरपुर बीगोता	”	595.50	148.50	447.00
470.	पीपली वाली मेड़बन्दी	बीरपुर बीगोता	”	1,498.00	749.00	749.00
471.	महादेवा का एनीकट	बीरपुर बीगोता	”	71,245.00	34,376.50	36,868.50
472.	गिर्रजा प्रसाद की मेड़बन्दी	देवती बीगोता	”	4,180.00	2,090.00	2,090.00
473.	देवकरण की मेड़बन्दी	रामसिंहपुरा बीगोता	”	3,636.00	1,818.00	1,818.00
474.	हलकारा गुवाड़ा का जोहड़	सकट	”	24,050.00	6,012.50	18,037.50
475.	रामखिलारी मीणा की मेड़बन्दी	सकट	”	2,360.50	1,180.25	1,180.25
476.	सतीन वाले खेत की मेड़बन्दी	सकट	”	1,880.00	940.00	940.00
477.	बद्री प्रसाद की मेड़बन्दी	सकट	”	4,044.25	2,022.25	2,022.25
478.	श्यामलाल शर्मा खेत की मेड़बन्दी	सकट	”	3,520.50	1,760.50	1,760.00
479.	बगिची वाले खेत की मेड़बन्दी	सकट	”	14,250.00	7,150.00	7,100.00
480.	डाबर वाले खेत की मेड़बन्दी	सकट	”	1,773.00	887.00	886.00
481.	श्रवण मीणा की मेड़बन्दी	समरा	थानागाजी	7,319.00	3,659.50	3,659.50
482.	रावता वाला बांध	ग्यार्‌या	”	8,355.00	4,177.50	4,177.50
483.	राघाला का बांध	समटा	”	9,895.00	4,947.50	4,947.50
484.	मूलचन्द मीणा की मेड़बन्दी	समटा	”	6,500.00	-	6,500.00

485.	काली पाटी की मेड़बन्दी	हमीरपुर	थानागाजी	2,034.00	508.50	1,525.50
486.	घाटी वाली जोहड़ी	हमीरपुर	,,	4,468.00	1,117.00	3,351.00
487.	कुण्डकी का बांध	हमीरपुर	,,	15,490.75	3,872.75	11,618.00
488.	गिरधारी मीणा की मेड़बन्दी	हमीरपुर	,,	4,100.00	1,025.00	3,075.00
489.	लक्ष्मण मीणा की मेड़बन्दी	हमीरपुर	,,	8,592.00	2,148.00	6,444.00
490.	माल्यावाला के खेत की मेड़बन्दी	हमीरपुर	,,	5,620.00	1,405.00	4,215.00
491.	नवल किशोर की मेड़बन्दी	लोसल	राजगढ़	3,593.00	1,799.00	1,799.00
492.	बुराडी वाला बांध	खेडली	,,	1,760.00	440.00	1,320.00
493.	गोपाल का बांध	लोसल गूजरान	,,	20,318.00	10,159.00	10,159.00
494.	जीतालाल की मेड़बन्दी	बीरपुर	,,	2,194.00	1,097.00	1,097.00
495.	रामजीलाल की मेड़बन्दी	लोसल	,,	1,199.00	599.50	599.50
496.	लालूराम की मेड़बन्दी	खेडली	,,	3,706.00	1,853.00	1,853.00
497.	ईश्वरमीणा की मेड़बन्दी	खेडली	,,	1,122.00	561.00	561.00
498.	भूरा राडा का जोहड़	खेडली	,,	18,245.00	4,561.00	13,684.00
499.	कालाराडा का जोहड़	चरीका गुवाड़ा	थानागाजी	4,153.00	2,076.50	2,076.50
500.	भैरु बाबा का जोहड़	रहकामाला	,,	7,216.85	1,981.60	5,235.25
501.	मुकेश की मेड़बन्दी	सकट	राजगढ़	1,981.00	990.50	990.50
502.	रामफूल की मेड़बन्दी	सकट	,,	1,510.00	755.00	755.00
503.	चीलकी बावड़ी एनीकट	चीलकी बावड़ी	,,	11,295.00	श्रम	11,295.00
504.	सवारी तले का जोहड़	कालेड़	थानागाजी	13,995.00	3,499.00	10,496.00
505.	कुण्डल्या का जोहड़	चीलकी बावड़ी	राजगढ़	58,050.00	17,128.00	40,922.00
506.	चिरूण्डी वाला बांध	जाँगरु	लक्ष्मणगढ़	2,540.00	श्रम	2,540.00
507.	बोंली वाला	घेवर (पामादाला)	राजगढ़	5,833.50	1,458.50	4,375.00
508.	घोकवाला जोहड़	रहकामाला	थानागाजी	29,166.00	7,298.00	21,878.00
509.	पॉवटा का जोहड़	पॉवटा	राजगढ़	3,866.25	966.25	2,900.00
510.	रामधन की मेड़बन्दी	सकट	,,	1,865.00	932.50	932.50
511.	मूलचन्द की मेड़बन्दी	सकट	,,	1,513.00	756.50	756.50
512.	हीरामल का जोहड़	लील्याँ	अलवर	82,881.00	20,720.00	62,161.00

513.	तंवरों का जोहड़	बेरा कालीखोल	अलवर	24,205.00	6,052.00	18,153.00
514.	जगन की मेड़बन्दी	गढ़	राजगढ़	1,939.00	969.50	969.50
515.	तोलावास का जोहड़	तोलावास	थानागाजी	27,089.00	6,772.00	20,317.00
516.	तोलावास का जोहड़	तोलावास	,,	38,882.00	9,720.00	29,162.00
517.	खोह का जोहड़	नागलहेडी	,,	3,922.00	981.00	2,941.00
518.	थईया मीणा का जोहड़	पालड़ी	विराटनगर	16,641.00	4,161.00	12,480.50
519.	लोहाड़ी वाला जोहड़	पालड़ी	,,	20,177.50	5,044.50	15,133.00
520.	टीलो का बांध	भीलवाड़ी	,,	22,960.00	11,480.00	11,480.00
521.	मेधसिंहे का जोहड़	तोलावास	थानागाजी	3,183.00	796.00	2,387.00
522.	आसन वाला जोहड़	तोलावास	,,	5,925.50	1,481.50	4,444.00
523.	नीलकण्ठ का जोहड़	राडी धेवर	राजगढ़	7,608.00	1,902.00	5,706.00
524.	तेजाबाबा का जोहड़	बीगोता	,,	18,161.50	4,540.50	13,621.00
525.	जाटवाला जोहड़	भीलवाड़ी	विराटनगर	6,787.00	1,697.00	5,090.00
526.	कूवाला जोहड़	गोविन्दपुरा	,,	51,912.00	12,978.00	38,934.00
527.	रामनाथ का जोहड़	भीलवाड़ी	,,	32,736.50	16,368.50	16,368.00
528.	बनीका कुण्ड एनिकट	ईसपाणा	रैणी	12,125.00	श्रम	12,125.00
529.	पलासाना का जोहड़	प्रतापगढ़	थानागाजी	23,104.00	5,776.00	17,328.00
530.	बलाईवाला जोहड़	गढ़	राजगढ़	10,570.00	2,670.00	7,900.00
531.	रहकामाला का जोहड़	रहकामाला	थानागाजी	3,375.00	844.00	2,531.00
532.	थोरवाला जोहड़	रहकामाला	,,	21,565.00	6,024.00	15,541.00
533.	भूरा सिद्ध का जोहड़	माचैडी	राजगढ़	7,480.00	1,870.00	5,610.00
534.	धड़ाराम की मेड़बन्दी	,,	,,	4,766.00	2,383.00	2,383.00
535.	सांकड़ा जोहड़	,,	,,	2,730.00	682.00	2,048.00
536.	बड़वाला जोहड़	,,	,,	2,941.00	735.00	2,206.00
537.	वीना वाला खेत की मेड़बन्दी	,,	,,	1,656.00	828.00	828.00
538.	हरीसिंह की मेड़बन्दी	,,	,,	1,928.00	964.00	964.00
539.	मालाराम की मेड़बन्दी	,,	,,	1,368.00	684.00	684.00
540.	हरदा की मेड़बन्दी	नारोली	बानसूर	7,898.00	3,949.00	3,949.00

541.	भूमियों के खेत की मेड़बन्दी	नारोली	बानसूर	4,876.00	2,438.00	2,438.00
542.	आगरु एनिकट			25,200.00	6,300.00	18,900.00
543.	जांगरु एनिकट	जांगरु	लक्ष्मणगढ़	46,311.00	9,300.00	37,011.00
544.	चॉवड वाला जोहड़			26,248.00	6,562.00	19,686.00
545.	खाद की मेड़बन्दी			3,196.50	1,599.00	1,597.50
546.	हरीराम की मेड़बन्दी			2,182.00	1,091.00	1,091.00
547.	पटटीवाले खेत की मेड़बन्दी			3,261.50	1,630.75	1,630.75
548.	गध्राला की मेड़बन्दी			6,548.00	3,274.00	3,274.00
549.	हरियाली वाली मेड़बन्दी			6,352.00	3,176.00	3,176.00
550.	बिणजारी वाला जोहड़			40,254.00	10,063.00	30,191.00
551.	नाली वाला जोहड़			2,976.00	744.00	2,232.00
552.	घाटा वाला जोहड़			8,666.00	2,166.00	6,500.00
553.	गोनी का बांध			18,133.00	14,533.00	43,600.00
554.	शियाराम की मेड़बन्दी			6,776.00	3,388.00	3,388.00
555.	ढाकपुरी का जोहड़	ढाकपुरी	बानसूर	15,596.00	3,899.00	11,697.00

CONSOLIDATED INCOME & EXPENDITURE ACCOUNT FOR THE YEAR ENDED ON 31.03.98

EXPENDITURE	AMOUNT	INCOME	AMOUNT
To Honorarium & Stipend	12,36,829.00	**By Contribution From**	
To Workshop/Seminar/Camps Expenses	7,03,721.75	Inter Co-operation, Switzerland	10,73,500.00
To Johads/Dam/Physical Work	60,68,633.00	ICCO., Netherland	55,65,763.00
To Training Material	6,56,228.00	S.D.C. Embassy of Switzerland	9,79,519.00
To Documentation Expenses	5,25,182.50	OXFAM India Trust	8,35,576.00
To Khadi Unit Expenses	10,677.00	GTZ, New Delhi	2,74,136.00
To Loadging Expenses	3,43,880.25	Central Social Welfare Board	2,24,974.00
To Agriculture Expenses	25,355.00	Seva Mandir, Udaipur	20,500.00
To Donation/Contribution	2,375.00	Lok Zumbish Parisad	3,50,000.00
To Fuel Timber Expenses	14,705.75	Embassy of Sweden (SIDA), New Delhi	8,56,000.00
To Audit Fees	10,000.00	By Sale of Books	2,450.00
To Nutrition	1,13,754.00	By Membership Fees	280.00
To Maping and Village Plan	17,772.00	By Miscellaneous/Other Receipts	44,400.00
To Overheads	9,28,769.65	By Tractor Activity	86,504.00
To Entry Point Activities	87,821.00	By Local Contribution	500.00
To Medicines & Health Work	60,360.25	By Bank Interest	1,50,083.00
To Legal Exp.	2,955.00	By Food Arrangement	1,02,990.00
To Capital Expenditure Transferred to General Reserve		**By Amount Charged from various Projects**	
Motor Cycle	60,278.00	Food Arrangement	9,79,110.00
Land & Building	3,41,721.50	Administrative	49,927.30
Furniture	32,125.00	Transportation	8,030.00
Fax Machine	34,900.00	Medicine	6,000.00
		Building Rent	24,000.00
To Unutilised grant to be utilised in next year	1,179.90		
To Surplus Transferred to General Reserve	3,55,018.75		
	1,16,34,242.30		**1,16,34,242.30**

As per our report of even date
For Goyal Ashok & Associates Chartered Accountants

For Tarun Bharat Sangh

(A.K. Goyal)
Proprietor
Dated : 14 July, 1998

General Secretary

तरुण भारत संघ 1997-98 का घटनाचक्र

फरवरी 1997
- उदयपुर जिले में तरुण भारत संघ (तभासं) ने जलसंरक्षण कार्य नाल-मोखी में शुरू किया।
- तिजारा क्षेत्र में किसानों की खेती की जमीन को अवाप्ति से बचाने के लिए 'अलवर किसान एकता संगठन' का निर्माण किया। इसे सक्रिय बनाने हेतु पूरे क्षेत्र में किसान चेतना पदयात्रा का आयोजन हुआ।

मार्च
- मुख्यमंत्री से खेती की जमीन को अवाप्त नहीं करने का आश्वासन मिला।
- नीतिगत बदलाव के प्रयास शुरू। राजस्थान में जल नीति निर्माण की प्रक्रिया शुरू कराने तथा उसके अधीन भू-जल नियंत्रण कानून बनवाने का प्रयास किया। इस हेतु प्रदेशभर का भ्रमण किया। जगह-जगह शिविर आयोजित किये। भू-जल कानून किसान हित में बने, इस हेतु जन दबाव की तैयारी शुरू हुई है।

अप्रैल
- खेती की सिंचित, दो फसली भूमि उद्योगों के लिये मुख्यमंत्री के आश्वासन के बाद अवाप्त की जाने लगी। इसे रोकने हेतु याचिका की तैयारी।

मई-जून
- किसान जागरूकता हेतु पदयात्राएं। खेती की जमीन अवाप्ति से बचाने हेतु बाग लगाने के निर्णय। जोहड़ों के कार्यों में तेजी। महिला सम्मेलन का आयोजन।

जुलाई
- जहाँ किसान आन्दोलन सक्रिय था, वहां जमीन अवाप्त नहीं हुई। जहाँ किसान संगठन कमजोर था, वहां दो फसली खेती की जमीन भी सरकार ने अवाप्त कर ली। ग्राम स्वराज्य सम्मेलन का आयोजन किया। इस सम्मेलन में श्री राजेश रवि तथा श्री जिनेश जैन द्वारा लिखी पुस्तक ग्राम स्वराज्य की राह पर का विमोचन प्रो. ठाकुरदास जी बंग ने किया।

अगस्त
- हरियाणा सरकार के अधिकारियों ने तरुण भारत संघ के जलागम विकास कार्य देखे। पावड़ी परियोजना के तहत चार किसान सम्मेलन। पेड़ लगाओ, पेड़ बचाओ यात्रा में सवा लाख पेड़ रोपण। झालरा निर्माण हेतु श्रमदान शिविर। पत्रकारों का भ्रमण। पेड़ों के राखी बांधने का उत्सव। मेनका गांधी द्वारा तरुण भारत संघ के कार्य प्रभाव पर फिल्म निर्माण।

सितम्बर
- त.भा.सं. कार्यकर्ताओं का सघन प्रशिक्षण शिविर तथा दूसरे क्षेत्रों का भ्रमण। जड़ी-बूटी पहचान यात्रा का आयोजन।

अक्टूबर

- सम्पूर्ण कार्य क्षेत्र से 750 लोग तभासं में आये, दो दिन के सम्मेलन में संघ के कार्यों का मूल्यांकन किया गया। आगे की दिशा तय करते हुए निर्णय हुए। जिस प्रकार पानी, जंगल तथा पूरी प्रकृति हित के कार्य, लोगों के निर्णय व समझ, शक्ति से अब तक किये हैं, आगे भी इसी प्रकार काम करता रहे तथा पुराने लोगों के साथ सम्पर्क गहरा बनाये रखने का भी निर्णय हुआ।
- रूपारेल नदी के पुनर्जन्म पर वीरसिंह जी द्वारा पुस्तक लेखन।
- खनन मजदूरों के साथ गहरा संवाद।

नवम्बर

- मजदूरों की दुर्दशा का दस्तावेजीकरण शुरू। देवउठनी एकादश को 51 जोहड़ों पर एक साथ कार्य करने का उत्सव मनाया। तिजारा क्षेत्र में भी जोहड़ बने।
- ग्राम स्वराज्य शिविर आयोजित हुआ।
- वन्य जीव संरक्षण हेतु साझा वन प्रबन्ध कार्य तेज करने हेतु सरिस्का के गांवों में वन संरक्षण समितियों के पदाधिकारियों तथा प्रतिनिधियों का प्रशिक्षण।

दिसम्बर

- सेहत में स्वावलम्बन हेतु प्रशिक्षण शिविर, खेती में स्वावलम्बन हेतु प्रशिक्षण शिविर, ग्राम स्वावलम्बन की विविध तकनीक खोज हेतु संवाद। श्री सिद्धराज ढड्ढा के नेतृत्व में ग्राम स्वराज्य पदयात्रा, ग्राम स्वराज्य कार्यकर्ता प्रशिक्षण।
- त.भा.सं. व समाज के जलसंरक्षण प्रयासों से वर्ष भर सजल रहने वाली पाँच नदी अरवरी, रूपारेल, सरसा, जहाज तथा भगाणी पर प्रो. मोहन श्रोत्रिय एवं अविनाश ने दस्तावेजीकरण करके पांच पुस्तकें प्रकाशित कराईं।
- राजस्थान की वन संरक्षण परम्परा की खोज करके प्रदेश स्तर का धराड़ी सम्मेलन आयोजित किया। इस सम्मेलन में देशभर के नामी परम्परावादी तथा इतिहासवेत्ताओं ने भाग लिया। डॉ. धर्मपालजी की अध्यक्षता में सम्मेलन सम्पन्न हुआ।
- धराड़ी परम्परा को प्रभावी बनाने हेतु पदयात्राओं तथा क्षेत्रीय सम्मेलन शिविरों का दूसरा दौर शुरू किया। स्विट्जरलैण्ड के राजदूत ने त.भा.सं. के कार्यों को दो दिन तक देखा-समझा व सराहना की।
- सरिस्का पैलेस के श्री रणजीत सिंह जी की अध्यक्षता में रूपारेल पुस्तक का विमोचन स्विट्जरलैण्ड के राजदूत हिज एक्सेलेन्सी ऐंगस्टोन ने किया।
- जी उठी जहाजवाली नदी पुस्तक का विमोचन बाघ परियोजना, सरिस्का के क्षेत्र निदेशक श्री तेजवीर सिंह ने किया।

जनवरी 1998

- जांघरु गांव में आठ गांव की संयुक्त ग्राम सभा ने अपने जंगल बचाने का संकल्प लिया। इनकी साझी समिति बनी।
- म.प्र. शासन के निमन्त्रण पर नर्मदा घाटी में विकल्प विकास हेतु त.भा.सं. के कार्यों का अध्ययन प्रस्तुत किया गया। इस सभा में नर्मदा बचाओ आन्दोलन तथा म.प्र. शासन के उच्चाधिकारी उपस्थित थे। इस अध्ययन को देखने-समझने के बाद प्रत्यक्ष कार्यों को देखने

का निर्णय हुआ । महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, हरियाणा तथा राजस्थान की स्वैच्छिक संस्था के प्रतिनिधियों ने त.भा.सं. को देखा ।

फरवरी

- श्री एस.एस. रिजवी ने चार दिन तक कार्यों का अध्ययन करके तरुण आश्रम परिसर को संरक्षित क्षेत्रों तथा जलागम विकास कार्यों से संबंधित एक प्रशिक्षण संस्थान का रूप देने का सुझाव दिया । इस संस्थान में सरकार के संबंधित अधिकारियों को यहां व्यावहारिक काम का अनुभव कराया जावे । इस हेतु यू.एन.डी.पी. के साथ मिलकर काम करने का निर्णय हुआ।
- हरियाणा के वन विभाग के अधिकारियों ने लोक वन्यजीव अभयारण्य तथा साझा वनप्रबन्ध कार्यों को देखा।
- अरवरी नदी में मत्स्य माफिया द्वारा जहर घोलकर करोड़ों मछलियों की हत्या कर दी । इसके विरोध में समाज तथा संस्था ने संगठित आवाज उठाई ।
- राजस्थान भू-जल अधिनियम तथा जल नीति को लोकोन्मुखी बनाने का अभियान शुरू किया।
- धराड़ी नये सन्दर्भों में पुस्तक का प्रकाशन हुआ ।
- त.भा.सं. के कार्यों का महिलाओं के जीवन पर प्रभाव अध्ययन सम्पन्न। इस पुस्तक में सीडा की मदद से हुए कार्यों के चार प्रतिनिधि गांवों का चयन करके अध्ययन डॉ. शचि आर्य ने किया। यह अध्ययन ही चार गांव की कथा के रूप में प्रकाशित हुआ। जल प्रबन्धन कार्यों की मांग पर सबको बाहर जाकर भी जानकारी देने का निर्णय ।
- अलवर में शराब कारखाने रोकने हेतु जन सुनवाई में सक्रिय जन भागीदारी बढ़ाने के प्रयास किये ।

मार्च

- साझा वन प्रबन्ध शिविर, भांवता गांव में सम्पन्न ।
- तिजारा में ''सामलातदेह जल संसाधन प्रबन्धन संस्थान'' की जाट मालेर गांव में स्थापना । यहां रहकर देश- भर से आये कार्यकर्ता तथा ग्रामीण सामलातदेह प्रबन्धन का व्यावहारिक अनुभव कर सकते हैं ।
- पशुओं को पानी तथा खेती के साथ जोड़कर विशेष ध्यान देने हेतु संचालन मण्डल ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया।
- पावड़ी, लोक लुम्बिश, इक्को, सीडा, आक्सफेम, इन्टरकोपरेशन हेतु आगे की कार्ययोजना का निर्माण किया। यू.एन.डी.पी. के साथ मिलकर काम करने की संभावनाओं की खोज हुई। यू.एन.डी.पी. का दो सदस्यीय मिशन आया। यू.एन.डी.पी. ने जोहड़ तथा तभासं पर एक केसस्टडी तैयार की है ।
- F.A.O. ने Ripples of the society में तभासं के काम से संबंधित पांच केसस्टडी प्रकाशित की है ।
- अरावली का सिंहनाद, Regenerating the Forest the T.B.S. Way, तथा ''साझे श्रम का कमाल'' नामक पुस्तकें प्रकाशित हुई हैं ।

अप्रैल

- साझे वन प्रबन्ध, उच्चतम न्यायालय के वन संबंधित आदेश, संरक्षित वन क्षेत्रों के लोगों के जीवन अधिकार सुरक्षित करने हेतु राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन हुआ।
- पर्यावरण सन्तुलन, विकास प्रभाव तथा शोध पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित हुआ।

मई

- दैनिक भास्कर ने जल संकट का समाधान तभासं के प्रयास को बताया।
- चार लेखकों ने जल समस्या का हल तभासं द्वारा अपनाई विधि से संभव बताया। जल नीति पर राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित हुआ। जलसंरक्षण कार्यों का प्रभाव देखने - समझने हेतु देशभर के सरकारी, गैर सरकारी जल- संरक्षण से जुड़ी संस्थाओं के प्रतिनिधियों का भ्रमण हुआ। नई राष्ट्रीय जल नीति निर्माण कराने हेतु जनदबाव की तैयारी में तेजी आई।
- राजस्थान में भू-जल अधिनियम तथा जल नीति पर समझ विकसित करने हेतु शिविरों की शृंखला शुरू हुई। परम्परागत जल प्रबन्धन को नये सन्दर्भों में वैज्ञानिक रूप देकर व्यवहार में लाने हेतु परम्परा को अच्छे रूप में प्रतिष्ठित करने का निर्णय हुआ। इस हेतु त.भा.सं. कार्यकताओं ने देश भर में कहीं भी किसी समाज/संस्था के बुलावे पर जरूर जाने का निर्णय किया।

जून

- Zee T.V. ने त.भा.सं. द्वारा सजल की नदियों पर फिल्म बनाई। इण्डिया टुडे के पत्रकार दल ने सजल नदियों का भ्रमण किया। लोगों ने बातचीत करके कार्य प्रभाव का गहराई से अध्ययन किया। 22 जून के इण्डिया टुडे में इस कार्य के महत्व का चित्र सहित उल्लेख भी किया। जून के अन्तिम सप्ताह में पुनः इण्डिया टुडे की दूसरी टीम ने इस काम को देखा और समझा।
- मत्स्य माफियों द्वारा अरवरी नदी में हमीरपुर तथा सरसा में सीलीबावड़ी के पास जहर घोलकर करोड़ों मछलियों की पुनः हत्या कर दी। हत्यारों के खिलाफ पुलिस ने नामजद रिपोर्ट लिखने से मनाही करने पर हमने कड़ा रुख अपनाकर उन्हें पकड़वाने के प्रयास किये।
- आक्सफेम इण्डिया ट्रस्ट ने त.भा.सं. कार्यों पर प्रक्रिया दस्तावेजीकरण करके एक पुस्तक प्रकाशित कराई है।

❑❑❑

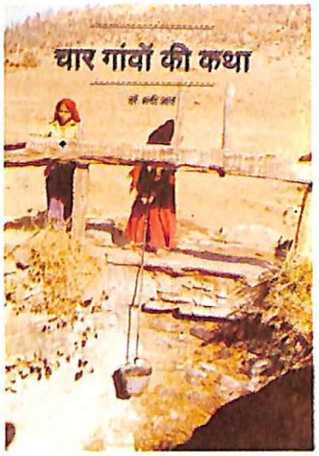

चार गांवों की कथा

यह महिला सशक्तिकरण का मूल्यांकन है। क्रान्तिकारी महिला द्वारा ही तभासं कार्यक्षेत्र की महिलाओं के जीवन पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन है। ये कैसे सशक्त हुई।
मूल्य 21 रु. मात्र

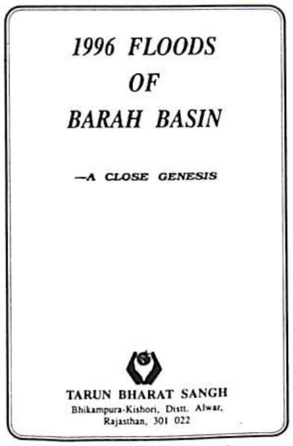

1996 बारा

बेसिन में आई बाढ़ का एक वैज्ञानिक अध्ययन है। डा. जी.डी. अग्रवाल के नेतृत्व में वैज्ञानिको के दल ने बाढ की सच्चाई को उजागर किया है।

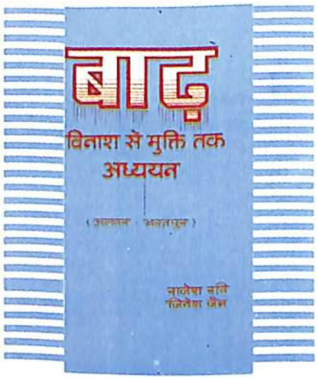

बाढ़ विनाश से मुक्ति तक

1995-96 की बाढ़ ने अलवर-भरतपुर में कैसे विनाश किया। तभासं ने इससे मुक्ति के क्या-क्या उपाय किये। इस विषय का दो स्वतंत्र पत्रकारों द्वारा किया गया अध्ययन इस पुस्तक में है।
मूल्य 32 रु. मात्र

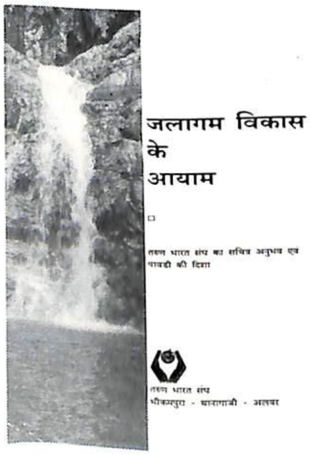

जलागम विकास के आयाम

इस पुस्तक में जल संरक्षण की परम्परागत विधियों का वर्णन है। तमासं के कार्यो के अनुभव से लिखी यह पुस्तक है।

ग्राम स्वावलम्बन की दिशा में दो कदम

1996-97 की रिपोर्ट है। तभासं का कार्य ग्राम स्वावलंबन की दिशा में कैसे बढ़ा। इसका वर्णन है।

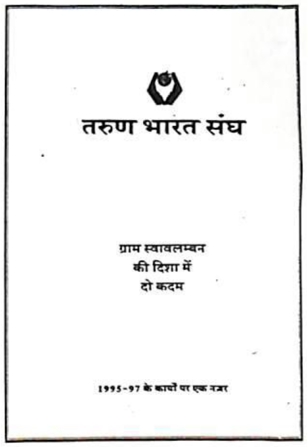

धराड़ी

राजस्थान की वंश वृक्ष संरक्षण परम्परा का वर्णन है। यहां के समाज ने अपने गोत्रों के हिसाब से पेड़ कैसे, क्यों बचाये हैं। पेड़ बचाने के लिए शहीद होने वाले समाज की गौरवमयी गाथा है।

मूल्य 21 रु. मात्र

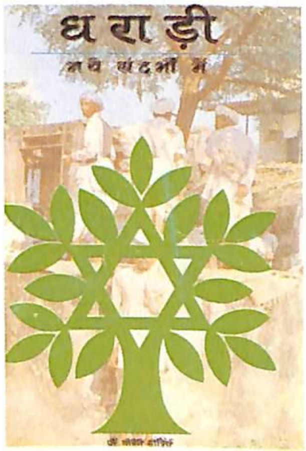

अरावली के आंसू

अरावली क्षेत्र में खनन से बर्बादी कैसे हुई। अरावली क्षेत्र के निवासी मालिक, किसान, पशुपालक से मजदूर कैसे बने। उनकी दुःखभरी गाथा, परिस्थिति का वर्णन है।

मूल्य 15 रु. मात्र

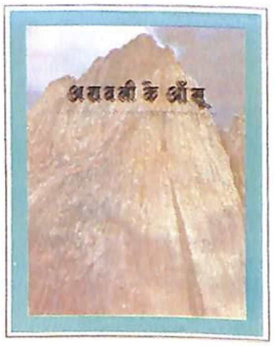

भारतीय आस्था एवं पर्यावरण रक्षा

यह भारतीय आस्थाओं तथा पर्यावरण सुरक्षा की परम्पराओं का एक छोटा सा दस्तावेज है। सतयुग से लेकर आज तक हमारे क्षेत्र की पर्यावरणीय दृष्टि क्या रही है ? इसको समझने का प्रयास मात्र है।

मूल्य 5 रु. मात्र

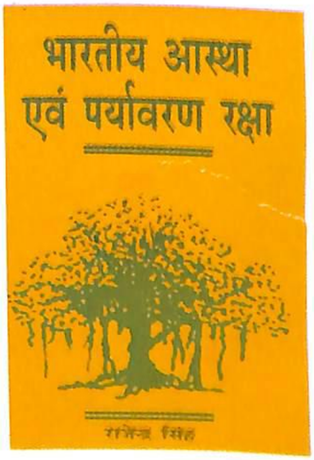

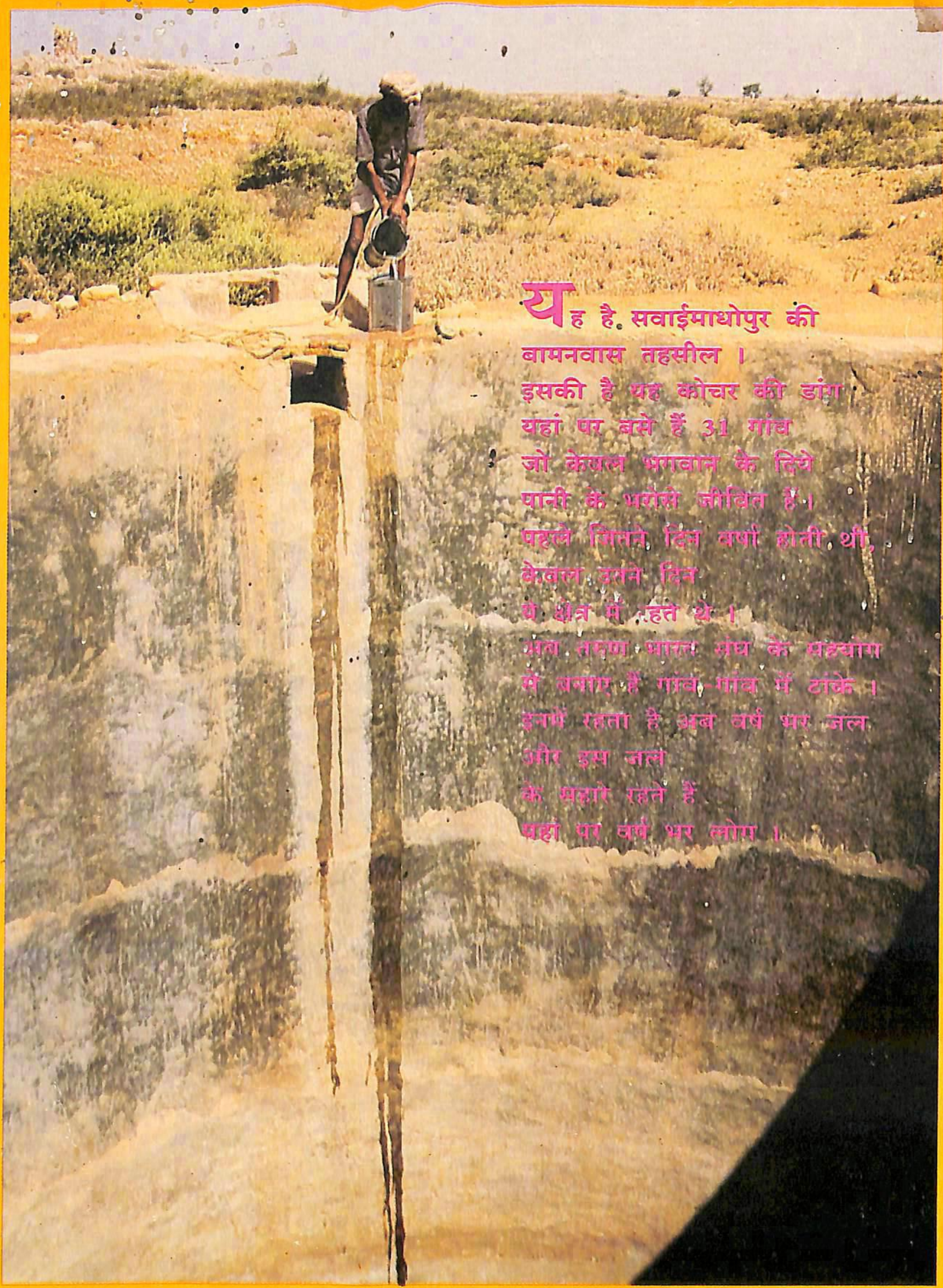
यह है सवाईमाधोपुर की
बामनवास तहसील ।
इसकी है यह कोचर की डांग
यहां पर बसे हैं 31 गांव
जो केवल भगवान के दिये
पानी के भरोसे जीवित हैं।
पहले जितने दिन वर्षा होती थी,
केवल उतने दिन
ये क्षेत्र में रहते थे ।
अब तरुण भारत संघ के सहयोग
से बनाए हैं गांव-गांव में टांके ।
इनमें रहता है अब वर्ष भर जल
और इस जल
के सहारे रहते हैं
यहां पर वर्ष भर लोग ।